उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

# बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 10 || अंकः51 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 12 जनवरी-2026

अंदर के पृष्ठ पर

अखिल भारतीय किन्नर महासभा के द्वारा निकाली गई रथ यात्रा 8

हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच जिला प्रशासन ने राहत अभियान किया तेज 4

## लखनऊः 20 हजार से अधिक कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन, मांगों पर सुनवाई न होने से आक्रोश

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार को परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रदेशभर से संबद्ध संगठनों के अध्यक्ष, महामंत्री, जनपद शाखाओं के पदाधिकारी सहित 100 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में अध्यक्ष जेएन तिवारी ने बताया कि 20 जनवरी को विधानसभा के समक्ष प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन और घेराव कार्यक्रम पर अंतिम मुहर लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न विभागों से 20 हजार से अधिक कर्मचारी विधानसभा पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे।

जेएन तिवारी ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के न्यूनतम मानदेय, 2001 के बाद संविदा, वर्कचार्ज व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण, वेतन विसंगतियों, कोरोना काल में काटे गए नगर प्रतिकर भत्ते तथा 18 माह के सीज महंगाई भत्ते जैसे मुद्दों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कैशलेस इलाज व्यवस्था का लाभ भी कर्मचारियों को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव कार्मिक कर्मचारियों की मांगों पर वार्ता नहीं कर रहे हैं। मुख्यमंत्री को दर्जनों पत्र लिखे जाने के बावजूद शासन संज्ञान नहीं ले रहा है, जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।

### सोमनाथ मंदिर के स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए पीएम मोदी, कहा-

## भारत के अस्तित्व और गौरव का प्रतीक

» बीपीएस न्यूज

**सोमनाथ (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'शौर्य यात्रा का नेतृत्व किया। इसका आयोजन गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए किया गया। उन्होंने ऐतिहासिक मंदिर में पूजा-अर्चना भी की और सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी जिनकी प्रतिमा मंदिर परिसर के पास स्थापित है।सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत आयोजित इस यात्रा में 108 अश्वों की झांकी निकाली गई जो वीरता और बलिदान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए शंख सर्कल से वीर हमीरजी गोहिल सर्कल तक यात्रा मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग और श्रद्धालु एकत्र हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ विशेष रूप से डिजाइन किए गए वाहन पर खड़े होकर एक किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान जनता का हाथ हिलाकर अभिवादन किया।**

युवा पुजारियों का एक समूह, जिन्हें 'ऋषि कुमार भी कहा जाता है, मोदी के वाहन के साथ-साथ चलते हुए भगवान शिव का वाद्ययंत्र 'डमरू बजा रहा था। एक समय ऐसा भी आया जब मोदी ने स्वयं एक पुजारी से दो डमरू लिए और अपने वाहन पर खड़े होकर उन्हें बजाया। जम्मू कश्मीर सहित देश भर से आए कलाकारों ने मार्ग में नियमित दूरी पर बने मंचों पर अपने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। यात्रा 'वीर हमीरजी गोहिल सर्कल पर समाप्त हुई, जहां से प्रसिद्ध मंदिर का मार्ग शुरू होता है। मोदी ने चौक पर स्थित हमीरजी गोहिल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की, जिन्होंने 1299 ईस्वी में दिल्ली सल्तनत की सेना के आक्रमण के खिलाफ सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।बाद में, मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की, जिनकी प्रतिमा मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार के पास स्थापित है। पटेल के प्रयासों के फलस्वरूप ही स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ और इसे औपचारिक रूप से 1951 में श्रद्धालुओं के लिए खोला गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने मुख्य पुजारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर में पूजा कार्यक्रम में भाग लिया। जिन्होंने मंदिर की रक्षा के लिए बलिदान दिया, जो आने वाली पीढ़ियों की सांस्कृतिक चेतना को प्रेरित करता रहेगा।महमूद गजनी ने करीब एक हजार साल पहले 1026 ईस्वी में सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था और इस दौरान अपना जीवन कुर्बान करने वालों की याद में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के एक बयान के अनुसार, सदियों पहले इस मंदिर को नष्ट करने के कई बार प्रयास किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज विश्वास, साहस और राष्ट्रीय गर्व के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में खड़ा है।

## उल्टी गिनती शुरू, कल अंतरिक्ष में पहुंचेगी भारत की 'तीसरी आंख', इसरो का बड़ा मिशन अन्वेषा होगा लांच

» बीपीएस न्यूज

चेन्नई। आंध्रप्रदेश स्थित श्रीहरिकोटा के अंतरिक्ष केंद्र में पीएसएलवी-सी62/ईओएस-एन1 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह अभियान और 15 अन्य उपग्रहों के प्रक्षेपण की उल्टी गिनती रविवार सुबह शुरू हो गयी है। यह मिशन सोमवार सुबह 10꞉17 पर यह श्रीहरिकोटा से उड़ान भरेगा। नये साल में इसरो का यह पहला लॉन्च होगा।

ईओएस-एन1, जिसे अन्वेषा भी कहा जाता है, एक भारतीय हाइपरस्पेक्ट्रल अर्थ इमेजिंग सैटेलाइट है, जिसे डीआरडीओ ने रणनीतिक रक्षा उद्देश्यों के साथ-साथ कृषि, शहरी मानचित्रण और पर्यावरण मूल्यांकन में नागरिक निगरानी के लिए बनाया है। इसरो ने कहा कि प्रक्षेपण प्राधिकरण बोर्ड (एलएबी) की मंजूरी मिलने और मिशन तैयारी समीक्षा (एमआरआर) से प्रक्षेपण की अनुमति मिलने के बाद, रविवार दोपहर 12꞉17 बजे 22 घंटे की उल्टी गिनती शुरू हो गयी। इस अवधि के दौरान चार चरणों वाले इस रॉकेट में प्रणोदक (ईंधन) भरा जायेगा।

इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, मिलिए पीएसएलवी-सी62 से - यह PSLV की 64वीं उड़ान और पीएसएलवी-डीएल संस्करण का 5वां मिशन है। रॉकेट की मुख्य विशेषताएं꞉ ऊंचाई 44.4 मीटर, उड़ान द्रव्यमान 260 टन, 4 चरण।卐 इसरो ने कहा कि वाहन और उपग्रहों के एकीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और प्रक्षेपण-पूर्व जांच और अंतिम जांच की प्रक्रिया निरंतर जारी रही हैं। पीएसएलवी-सी62 मिशन सोमवार सुबह 10꞉17 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम लॉन्च पैड से उड़ान भरेगा। यह इसरो का बहुमुखी, सबसे भरोसेमंद और सबसे अधिक काम आने वाला प्रक्षेपण यान है। ईओएस-एन1 और 14 अन्य उपग्रहों को 505 किमी की ऊंचाई पर 97.5 डिग्री के झुकाव के साथ सूर्य तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित किया जायेगा, जबकि केआईडी कैप्सूल को पुन꞉ प्रवेश पथ पर भेजा जायेगा। ईओएस-एन1 और 14 उपग्रहों को उनकी कक्षा में स्थापित करने के बाद पीएस4 चरण (चौथे चरण) को गति कम करने के लिए फिर से चालू किया जायेगा, ताकि वह पुन꞉ प्रवेश पथ पर आ सके। इसके बाद केआईडी कैप्सूल को अलग किया जायेगा।

## निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने के पक्ष में आरबीआई, बैंकों ने जताया विरोध

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा, आरबीएल बैंक, यस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) से संपर्क कर डिफॉल्टरों और एनपीए की सूची, जुर्माने और निरीक्षण रिपोर्ट जैसी सूचनाओं को सार्वजनिक करने पर आपत्ति जताई है। आरबीआई ने कहा कि आरटीआई अधिनियम के तहत इन अभिलेखों का खुलासा किया जा सकता है। आरटीआई आवेदनकर्ताओं धीरज मिश्रा, वथिराज, गिरीश मित्तल और राधा रामन तिवारी ने आरबीआई में अलग-अलग आवेदन देकर इस बारे में जानकारी मांगी थी। उन्होंने यस बैंक के शीर्ष 100 एनपीए और जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों, एसबीआई और आरबीएल की निरीक्षण किया रिपोर्ट और बैंक ऑफ बड़ौदा पर वैधानिक निरीक्षण ।किया

## अंकिता भंडारी प्रकरण में होगी सीबीआई जांच, विरोध प्रदर्शन के बीच सीएम धामी ने की सिफारिश

» बीपीएस न्यूज

देहरादून। उत्तराखंड के पौड़ी जिले मे एक रिसॉर्ट की कर्मचारी अंकिता भंडारी की मौत और दोषियों को आजीवन कारावास की सजा घोषित होने के बाद मामले में किसी वीआईपी के शामिल होने से संबंधित दावों तथा लगातार चल रहे प्रदर्शनों के मद्देनजर शुक्रवार को राज्य सरकार ने इस प्रकरण की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का फैसला किया और कहा कि इसके लिए संस्तुति की जा रही है। प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किये जा रहे थे। विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने इस मांग को लेकर 11 जनवरी को उत्तराखंड बन्द का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि इस मामले में सरकार का उद्देश्य शुरू से अंत तक निष्पक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना रहा है और आगे भी रहेगा।

उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी के साथ हुई अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने बिना किसी विलंब के पूर्ण संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ कार्रवाई की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक महिला भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रकरण से जुड़े सभी अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार किया गया तथा राज्य सरकार की ओर से प्रभावी एवं सशक्त पैरवी सुनिश्चित की गयी, जिसका परिणाम यह रहा कि विवेचना और सुनवाई के दौरान किसी भी अभियुक्त को जमानत नहीं मिल सकी। उन्होंने बताया कि एसआईटी ने गहन विवेचना के पश्चात, अभियुक्तों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की और निचली अदालत द्वारा सुनवाई पूर्ण होने पर अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनायी गयी। श्री धामी ने कहा कि यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राज्य सरकार ने आरंभ से लेकर अंत तक निष्पक्षता, पारदर्शिता और दृढ़ता के साथ न्याय सुनिश्चित किया है। साथ ही, हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही कुछ ऑडियो क्लिप्स के संबंध में भी अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं और जांच चल रही है।

## कोहली के आउट होते ही शुरू हुआ जडेजा के बाद श्रेयस भी लौटे पवेलियन

बड़ोदा। आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहला मुकाबला वडोदरा में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 300 रन बनाए हैं। श्रेयस अय्यर भी काइल जैमीसन का शिकार बन गए। वह 47 गेंदों में 49 रन बनाकर आउट हुए। अब केएल राहुल का साथ देने हर्षित राणा आए हैं। भारत को चौथा झटका भी काइल जैमीसन ने दिया। उन्होंने रवींद्र जडेजा को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ चार रन बना पाए। फिलहाल क्रीज पर श्रेयस अय्यर और केएल राहुल मौजूद हैं।स्टार बल्लेबाज विराट कोहली शतक से चूक गए। उन्हें काइल जैमीसन ने ब्रेसवेल के हाथों कैच कराया। वह 91 गेंदों 93 रन बनाकर आउट हुए। अब श्रेयस का साथ देने रवींद्र जडेजा आए हैं।विराट कोहली और शुभमन गिल के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई शतकीय साझेदारी को आदित्य अशोक ने तोड़ दिया।

## 116 लोगों की मौत... हजारों गिरफ्तारियां

दुबई। ईरान में प्रदर्शन लगातार बढ़ती जा रही है। आर्थिक तबाही से शुरू हुआ विरोध अब पूरे देश में फैलकर सत्ता के खिलाफ बड़ा विद्रोह बन चुका है। इस दौरान 116 से ज्यादा मौतें, 2600 से अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

ईरान में पिछले दो हफ्तों से लगातार चल रहे देशव्यापी विरोध प्रदर्शन अब अपने चरम पर पहुंच चुके हैं। दिसंबर 2025 के अंत में तेहरान के ग्रैंड बाजार से शुरू हुई यह आग अब सभी 31 प्रांतों में फैल गई है। शुरुआत महंगाई और ईरानी रियाल के ऐतिहासिक पतन से हुई, लेकिन अब नारे सिर्फ आर्थिक राहत तक सीमित नहीं - लोग इस्लामी गणराज्य की सत्ता के खात्मे की मांग कर रहे हैं।प्रदर्शनों से जुड़ी हिंसा में अब तक कम से कम 116 लोग मारे जा चुके हैं (जिनमें सुरक्षा बलों के सदस्य भी शामिल हैं)। गिरफ्तारियों की संख्या 2,600 से ज्यादा हो गई है। संगठन ने पहले भी ईरान के आंदोलनों में सटीक जानकारी देने का रिकॉर्ड रखा है। इंटरनेट ब्लैकआउट और फोन लाइनों के बंद होने से सही स्थिति का आकलन मुश्किल हो गया है, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से पता चलता है कि तेहरान, मशहद, यज्द समेत दर्जनों शहरों में भारी भीड़ सड़कों पर उतरी हुई है।ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने सख्त चेतावनी दी है कि प्रदर्शनकारियों को दबाया जाएगा। देश के अटॉर्नी जनरल ने और आगे बढ़ते हुए कहा कि विरोध में शामिल लोगों को 卐ईश्वर का दुश्मन माना जाएगा ईरानी कानून में यह आरोप मृत्युदंड तक पहुंच सकता है। सरकार ने इंटरनेट और संचार को पूरी तरह बंद कर दिया है, ताकि प्रदर्शन फैलने से रोका जा सके।

## जम्मू से निकलकर आगरा होते हुए अयोध्या आया था अहद, मंदिर में नमाज पढ़ने की थी कोशिश

अयोध्या। राम मंदिर में शनिवार को नमाज पढ़ने की कोशिश करने वाला कश्मीर का अहद शेख छह जनवरी को ही घर से निकला था। जम्मू, दिल्ली और आगरा होते हुए वह सीधे अयोध्या पहुंचा था। अब तक की जांच में वह मानसिक रोगी बताया गया है। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है।श्रीनगर के शोपियां निवासी अहद शेख (55) को श्रद्धालुओं की सूचना पर राम मंदिर के परकोटे के पास से हिरासत में लिया गया था। उस पर आरोप है कि वह रामलला के दर्शन के बाद दक्षिणी परकोटे के पास नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए। जम्मू की पुलिस और सीआरपीएफ के अलावा रॉ, आईबी समेत अन्य खुफिया एजेंसियों से इनपुट मांगे गए।हालांकि, 24 घंटे की जांच में कोई संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई है। पकड़े गए व्यक्ति का वर्ष 2024 से ही मानसिक रोग का इलाज चल रहा है। वह पहले भी विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जा चुका है। उसके मां वैष्णो देवी धाम जाने के सबूत भी मिले हैं। परिजनों ने उसकी दवाओं का पर्चा भेजा है, जिसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज के मानसिक रोग विभाग में भर्ती किया गया है। मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल तैनात है।सूत्रों के अनुसार छह जनवरी को श्रीनगर से निकलकर वह जम्मू गया था।

वहां से ट्रेन से दिल्ली और वहां से आगरा आया। आगरा-पटना ट्रेन से ही वह अयोध्या धाम के लिए निकला था। रास्ते में जौनपुर के एक व्यक्ति से उसने करीब दो घंटे तक बात की थी।

हालांकि, इस दौरान भी उसने किसी तरह की दूषित मंशा जाहिर नहीं की थी। दोपहर में 12꞉30 बजे अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर ट्रेन आई। ट्रेन से उतरकर वह अकेले ही पैदल चल पड़ा। थोड़ी दूर पर एक होटल पर उसने चाय पी और सीधे राम मंदिर आया। उसके साथ आए बैग में कपड़े, खाने-पीने की कुछ वस्तुएं और लगभग 2700 रुपये नकद मिले हैं।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक
(बी.पी.साहू)
मो-8423454502,
व्हाटसअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

## अपनी बात....

संपादकीय ............

# वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी।

अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेजुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है।

निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू-राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम-कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेजुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति-आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दर्शाता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेजुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। जो सही मायनों में भविष्य की वैश्विक चिंताओं के अनुरूप ही है। बहरहाल, देर-सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति-स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।

# अज्ञानता को हथियार बनाने के प्रयासों का हो विरोध

निरंजन भंडारी

**शिक्षक इस तरह से शिक्षा दें कि शिक्षार्थी में रचनात्मकता बढ़े। उसकी आकांक्षाएं एक न्यायपूर्ण, समानता युक्त, मानवीय और पारिस्थितिकी के प्रति संवेदनशील मूल्यों के प्रति विकसित हों। आशा के शिक्षाशास्त्र के जरिये ही नई पीढ़ी अपनी सोच व प्रयासों...शिक्षक इस तरह से शिक्षा दें कि शिक्षार्थी में रचनात्मकता बढ़े। उसकी आकांक्षाएं एक न्यायपूर्ण, समानता युक्त, मानवीय और पारिस्थितिकी के प्रति संवेदनशील मूल्यों के प्रति विकसित हों। आशा के शिक्षाशास्त्र के जरिये ही नई पीढ़ी अपनी सोच व प्रयासों से बेहतर दुनिया बनाने की दिशा में प्रेरित होगी। शिक्षा मूलत- जाग्रत बुद्धि के बारे में है। इस भयानक रूप से विषैली, हिंसक और ध्रुवीकृत दुनिया में, किसी के लिए हमारे मौजूदा समय का चरित्र बन चुकी सर्वव्यापी नकारात्मकता से बहक जाना आसान है। फिर भी, एक शिक्षक के रूप में, मुझे लगता है कि हमें हार नहीं माननी चाहिए, और हमें आशा के बीज बोने चाहिए और नई पीढ़ी को एक बेहतर दुनिया की कल्पना करने और उसके लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।**

मैं शिक्षण समुदाय से हार्दिक प्रार्थना के साथ नए साल की शुरुआत में अपील करता हूं - आशा के शिक्षाशास्त्र को कक्षा की गतिशीलता में बदलने दें, शिक्षा के उद्देश्य को फिर से परिभाषित करें और आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक कल्पना, सहानुभूति और प्रेम की शक्ति को सक्रिय करें। हालांकि, यह स्वीकार करना जरूरी है कि समकालीन छात्रों और शिक्षकों में जो निराशा हम देख रहे हैं, वह अक्सर किसी न किसी प्रकार की सनकी व्यावहारिकता के रूप में प्रकट होती है। जैसे-जैसे नवउदारवाद का बाजार-संचालित/ उपकरणवादी तर्क शिक्षा को एक उच्च और महान उद्देश्य से वंचित कर रहा है, और इसे आर्थिक उत्पादकता के लिए मात्र एक तकनीकी कौशल में बदल रहा है, कई युवा सामाजिक डार्विनवाद या अत्यधिक प्रतिस्पर्धा को एक नए गुण के रूप में, पैसे को नए भगवान के रूप में, और अहंकारी गर्व को रुतबे के प्रतीक के तौर पर देखने लगे हैं। उनके आंतरिक जगत में कोई फूल नहीं खिलता;वे शायद ही कभी गांधी और मार्क्स से संवाद करते हैं; और उनके पास समानता, पारिस्थितिकी, शांति एवं न्याय के लिए संघर्ष करने के वास्ते कोई 'फालतू' समय नहीं। इस प्रकार की व्यावहारिकता का मतलब है एक नई दुनिया में आशा की अनुपस्थिति। इसी तरह, अति-राष्ट्रवाद की संस्कृति कई शिक्षकों के बीच ऐसी व्यावहारिकता को और तेज करती है। जैसे-जैसे डिजिटल निगरानी सामान्य होती जाती है, हमारे कॉलेजों-विश्वविद्यालयों में कई शिक्षकों को लगता है कि उन पर लगातार नज़र रखी जा रही है और निगरानी में हैं। और संभवत:, ऐसा डर उन्हें इसके प्रति बेहद सतर्क कर देता है कि वे क्या पढ़ा सकते हैं, क्या बोल सकते हैं और क्या लिख सकते हैं। जैसे-जैसे अति-राष्ट्रवाद के विमर्श द्वारा शैक्षणिक क्षेत्र का उपनिवेशीकरण शिक्षा को उसकी स्वतंत्रतावादी क्षमता से वंचित कर रहा है, शिक्षकों का एक ऐसा बड़ा वर्ग पैदा होना असंभव नहीं है जो चुप रहना पसंद करे, या व्यवस्था के प्रति वफादारी दिखाने के लिए अति उत्साही हो जाए। इसलिए, यह हैरानी की बात नहीं है कि ऐसे 'व्यावहारिक' शिक्षक अपने छात्रों में एक नई कल्पना, या प्रतिरोध की भाषा जगाने में विफल रहते हैं। यहां पर, एक ऐसी दुनिया है जो युद्ध, अधिनायकवाद और जलवायु आपातकाल से त्रस्त है। फिर भी, हमारे कॉलेज और विश्वविद्यालय 'रैंकिंग' की आकांक्षा, और 'प्लेसमेंट और सैलरी पैकेज' की बातों से परे कुछ भी देखने से इनकार करते हैं।

इसलिए, सवाल उठता है - मैं जिस उम्मीद के शिक्षाशास्त्र की बात कर रहा हूं, वह क्या है? और क्या यह सच में मुमकिन है? यहां साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि यह कोई खोखला आदर्श या काल्पनिक खुशफहमी नहीं । आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र के बिना इसे बढ़ावा देना नामुमकिन है - यह उस तरह की शिक्षा है जो युवा शिक्षार्थी को अपना रचनात्मक गुण वापस पाने और उन चीज़ों पर सवाल उठाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो एक न्यायपूर्ण, समानता युक्त, मानवीय और पारिस्थितिकी के प्रति संवेदनशील दुनिया की संभावना को नुकसान पहुंचाती हों। यह समझने और गहराई से सिद्धांत बनाने जैसा है, मसलन, चरम-राष्ट्रवाद की आक्रामकता जो युद्ध, नरसंहार, सशस्त्र विद्रोह, आतंकवाद और धार्मिक कट्टरपंथ का कारण बनती है; आधुनिक तकनीक चालित पूंजीवाद के तर्क में छिपा लालच जो हर चीज़ को -चाहे वह पेड़, नदी, जंगल हो या पहाड़- उसे निरंतर 'संवृद्धि' और 'विकास' की खातिर सिर्फ एक 'संसाधन' में बदल देता है, और जलवायु आपदा की भयानक स्थितियों की ओर ले जाता है; और सबसे बढ़कर है, अरबपति प्रौद्योगिकीवादी और नव-फासीवादियों का अपवित्र गठबंधन जो लोकतंत्र की भावना खत्म कर रहा है। जानकारी से युक्त एवं राजनीतिक रूप से जागरूक लोकतांत्रिक नागरिकों को तैयार करने हेतु एक परिवर्तनकारी औजार के रूप में बताया है। अज्ञानता को हथियार बनाने का विरोध करने का यही एकमात्र तरीका है।आलोचनात्मक चिंतन के अलावा, उम्मीद के शिक्षाशास्त्र को कुछ और भी चाहिए। वो है सीखने का ऐसा तरीका जो सीखने वाले हर युवा की छिपी हुई क्षमता को जगाए - यानी एक नई दुनिया का सपना देखने की हिम्मत; ज्ञान और आचार को जोड़ने, सोच और भावना, और विज्ञान और सौंदर्यशास्त्र को एक साथ लाने की इच्छा। एक तरह से, यह आलोचना की शक्ति और प्यार एवं दयालुता से सुनने की संभावना को एक साथ लाने की कोशिश करता है। असल में, उम्मीद के शिक्षाशास्त्र के हर गंभीर समर्थक को पाउलो फ्रेयरे और बेल हुक्स, रवींद्रनाथ टैगोर और जिद्दू कृष्णमूर्ति, या मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) और थिच न्हाट हान के साथ लगातार संवाद में शामिल होने की ज़रूरत है।

## वैश्विक उथल पुथल और विश्व युद्ध की स्थिति के बीच शांत भारत-लोगो नें कहा मोदी है ना..!

# कतर में कृषि और भोजन उत्पादन शून्य

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

**पहले रूस युक्रेन फिर ईरान इजरायल, तब फलस्तीन गाजा अन्त में श्रीलंका व बांग्लादेश और अब अमेरिका वेनेज़ुएला। यह सब अस्थिर देश है जो एक दूसरे पर नियंत्रण की कोशिश में लगे है। इसके बाद अब अगला नंबर पाकिस्तान और चीन का है। बांग्लादेश भी उबाल मार रहा है, वहां देशव्यामी प्रदर्शन हो रहे हैं यह सही समय है लोकतंत्र के उदय का। इजरायल की तैयारी पूरी है बस डोनाल्ड ट्रम्प के ग्रीन सिग्नल का इंतजार है बस फिर इजरायल गाजा फूँकना शुरू कर देगा। भारत निश्चिन्त बैठा हुआ है और लोग कह रहें मोदी है नाज! सब सम्हाल लेगा। वैसे भी सन तिहत्तर के बाद से जब जब पाकिस्तान भारत को अस्थिर करने की कोशिश करता है, भारत का एयर डिफेन्स सिस्टम एक्टिवेट हो जाता है और एयर फोर्स घर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक करके वापिस आ जाती है। ज़ब तक पाकिस्तान की इकोनॉमी थोड़ी सुधरती उससे पहले ही बिगाड़ दी जाती है।**

इसलिए भारत को विश्व युद्ध में बहुत चिंतित होने की जरुरत नहीं और रूस, फ़्रांस तथा जापान जैसे मित्र राष्ट्रो के बलबूते हम अमेरिका तक के छाती पर मूंग मल रहें। ईरान के माहौल का नियंत्रण अब खामनेई से बाहर हो चुका है शायद वह भी अब मार दिया जाए या फिर असद की तरह रूस भाग जाए। चीन का एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइल सिस्टम फिर एक बार वेनेजुएला के लिए फुलझड़ी साबित हुआ है । लेकिन यह तो तय है कि अमेरिका का भी नुकसान होगा। अमेरिका ने ग्रीनलैंड को भी धमकाया है वहीं साऊथ अमेरिकन देशों को भी डोनाल्ड ट्रम्प ने हड़का रखा है। कहीं ना कहीं तो बवाल और तबाही होगी और बहुत जल्दी होगी। मैं तो कहता हूं लड़ो खूब लड़ो और लड़ मरो आपस में। हमारा क्या है हमारे पास तो मोदी है सब संभाल लेंगे। तेल के खेल में तीसरा विश्व युद्ध आ धमका है। विश्व का सबसे बड़ा तेल 'रिज़र्व' वेनेजुएला है, जहाँ विश्व में सबसे अधिक 'इन्फलेशन' (मुद्रा स्फिति) थी । यह आखिर कैसे मुमकिन हुआ कि अमीरों से धन लेकर गरीबों में बांटने का मॉडल असफल रहा ? या महत्वपूर्ण संसाधन तेल पर निर्भर रहने के बाद भी आज उनके राष्ट्रपति का अपहरण हो जाता है ?

कतर सहित अन्य इश्लामिक देशो में विश्व की सबसे अधिक यौन-विषमता है। यहाँ पुरूष की जनसंख्या महिलाओं से लगभग दोगुनी है। यानी, दो पुरूष पर एक स्त्री। यहाँ की शिक्षा का ये हाल है कि बस पंद्रह प्रतिशत लोग उच्च शिक्षा पा रहें थे। कतर में कृषि और भोजन उत्पादन शून्य है। फिर कतर मोदी और भारत से भीड़ बैठा तभी बाकी के अरब देशों ने मौका पाकर कतर से अपने संबंध तोड़ लिए, तो कतर के लिए सब्जियाँ मंगानी कठिन हो गयी । संबंध इसलिए तोड़ा, क्योंकि कतर 'इस्लामिक स्टेट' और 'अल कायदा' को धन देता रहा है। 'अल जज़ीरा' की इस देश के राजनीतिक संगठनों में खूब पैठ रही है। और अब कतर से सभी इश्लामिक देश कतरा रहें। जब डॉलर के मुकाबले वेनेजुएला की मुद्रा बोलीवर घटी, तो भी सरकार ने घर में कीमत नहीं घटाई। लोग दो बोलीवर का डॉलर बोलीविया में खरीदते, और अमरीका से पांच बोलीवर कमा कर लाते।सोचिए अगर भारत सरकार बीस रूपया में डॉलर देने लगे, तो हम वहीं डॉलर ले जाकर अमरीका से चौसठ रूपए न ले आएँ ? एक समय वेनेजुएला में मुद्रा की कोई कीमत नहीं थी, पांच सौ बोलीवर में एक किलो टमाटर मिलता था पिछले साल। अब दस हजार बोलीवर में पीने का साफ पानी । इकोनॉमी और परिणाम यह रहा कि सैन्य शक्ति कमजोर होती गई और आज अमरीकी सैनिक आये और राष्ट्रपति मोदूरे को ही उठा ले गए। दरअसल इस समाजवादी देश ने उदारवादी और कल्याणकारी नीतियाँ तो अपनाई, पर विदेशी निवेश नहीं होने दिया (अमरीका द्वारा बाधाएँ भी लगी) और तेल के अतिरिक्त कुछ खास इन्वेस्ट नहीं किया। नॉर्वे भी अब आक्रमण के जद में है। यहां का तेल वेनेजुएला की तरह राष्ट्रीयकृत है। लगभग सभी कमाई की चीजें सरकार के अंदर हैं, या सरकार का शेयर है। लॉटरी से घुड़सवारी तक। नॉर्वे में विदेशी निवेश उस हद तक ही है कि देश का उद्योग बचा रहे। नौकरीयों में प्राथमिकता स्थानीय लोगों को सबसे पहले है। और इनके सरकारी फ़ंड ने विश्व भर में तमाम उद्योगों में पैसा लगा रखा है।विदेशी निवेश तो छोड़िए, प्राईवेट कंपनियों से तेल का अधिकार छीन सरकारीकरण कर लिया। तेल डूब गया, ये भी डूब गए। यहाँ के लोग आज भी तेल के दाम बढ़ने की दुआ कर रहे हैं। पर समस्या तेल के दाम नहीं, कुछ और भी है। विश्व के कई धनी देश है , जहाँ ऐशो-आराम चरम पर है। तेल और विश्व युद्ध के इस दौर में भारत देश में न कतर सी अय्याशी है, न वेनेजुएला सी गरीबी, यहाँ साधारण संघर्षशील जीवन है।यहाँ तेल पानी से सस्ता नहीं, बल्कि महंगी है। यहाँ कोई इतना अमीर नहीं कि बीस लक्ज़री गाड़ी या हेलिकॉप्टर लेकर घूमे। यहाँ कई पार्टियों को मिला कर मिला-जुला गठबंधन बन जाता है। यहाँ सनातन ही राज करता रहा है, जिसमें दक्षिणपंथी और वामपंथी मिश्रित नेतागिरी भी नहीं हिला पाई है। हमारे यहाँ सामान्य वर्ग के करदाताओं पर भारी बोझ है। और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में स्वास्थ्य-शिक्षा मुफ्त, और गर्भवती -बीमार-वृद्ध सेवाएँ सरकारी हैं। इसलिए मै कहता हूँ सनातन धर्म की शिक्षा अनिवार्य है, पर भारत के विपक्ष का भेजा खाली हैं । विदेशों में राजतंत्र है, पर राजा का अधिकार नहीं यहाँ लोकतंत्र है पर मोदी को सारे अधिकार है

# भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौता और भारत के हित

बाल गोविन्द साहू

भारत और अमेरिका दोनों ही व्यापार समझौता करना चाहते हैं लेकिन अमेरिका सोचता है कि वह एक शक्तिशाली देश है और वह अपनी शर्तों पर भारत को झुका लेगा तो यह सोचना कहीं ना कहीं गलत है। दोनों के मध्य वार्ता हो रही है लेकिन भारत ने साफ कह दिया है कि वह अपना कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए नहीं खोल पाएगा। क्योंकि भारत के किसानों की जीविका इससे जुड़ी हुई है और कृषि क्षेत्र का वर्तमान समय में जीडीपी में लगभग योगदान 17 से 18 प्रतिशत के आसपास है और इस क्षेत्र में कुल कार्यबल का 45 से 46 प्रतिशत कार्यरत है। इसी प्रकार डेयरी क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 4 से 5 प्रतिशत है तथा इस क्षेत्र में लगभग 8 करोड लोग कार्यरत हैं और यह क्षेत्र कृषि से जुड़ा हुआ है।

अमेरिका चाहता कि भारत उसके लिए कृषि तथा डेयरी क्षेत्र को खोल दे जिससे उसकी कंपनियां इस क्षेत्र में व्यापार कर सकें। लेकिन भारत खोलने से मना कर रहा है। अब समझते हैं कि भारत कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए क्यों नहीं खोलना चाहता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका जेनेटिकली मोडिफाइड सोयाबीन और कपास तथा मक्का की खेती करता है जो कि भारतीय उपभोक्ता को नुकसान पहुंचा सकता है और सस्ते दामों पर भारत में डंप हो सकता है। इसके अलावा जो डेरी क्षेत्र के उत्पाद है वह अमेरिका में पशुओं को मांस खिला करके उनसे प्राप्त किया जाता है जो कि भारतीय परिवेश में उपयुक्त नहीं है। इसके अलावा अमेरिका भारत को समय-समय पर रूस से सस्ता तेल ना खरीदने की नसीहत देता रहता है और उसने यह भी कह रखा है कि क्योंकि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है सस्ते दाम पर इसलिए हम उस पर 25 प्रतिशत अधिक टैरिफ लग रहे हैं तथा भारत के साथ व्यापार समझौता नहीं हो रहा है।

अगर देखा जाए तो एक तरह से अमेरिका वर्तमान समय में अपने ताकत के नशे में चूर है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि उसने वेनेजुएला में जो किया कि वहां के राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन से अपहृत करके अपने न्यूयॉर्क की कोर्ट में ले गया और वहां पर उन्हें नुमाइश कराया जा रहा है। यह किसी देश के लिए एक तरह से बड़ा अपमानजनक है। दूसरी और अमेरिका को लग रहा है कि वह विश्व का थानेदार है।जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के कुछ नियम और कायदे होते है। किंतु अमेरिका इन सभी नियम कायदों को सिर्फ अन्य देशों पर लागू करता है और स्वयं के ऊपर लागू नहीं करता है। भारत को इन सब परिस्थितियों से निपटने के लिए एक साफ संदेश देना होगा कि भारत अपने किसानों के हितों को और अपने देशवासियों हितों को जरूर ध्यान रखेगा। वह किसी भी दबाव के आगे नतमस्तक नहीं होगा भारत को क्योंकि अमेरिका के साथ व्यापार में टैरिफ लग रहा है इससे भारत का व्यापार कम हो सकता है इसके लिए अन्य देशों के साथ व्यापार को बढ़ाना होगा और जिसमें भारत ने अभी तक ओमान, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के साथ में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कर लिया है।

उसे अब नए देशों को तलाशना होगा। इसी कड़ी में भारत के विदेश मंत्री जयशंकर जी फ्रांस जर्मनी की यात्रा पर हैं और यूरोपियन यूनियन के जो बड़े लीडर हैं जिसमें उर्सला वान शामिल है। वह भी भारत की यात्रा पर आ रही हैं तो भारत को अपने कार्यों से यह संदेश देना होगा कि भारत किसी के साथ झुक करके कार्य नहीं करता है। वह बराबरी और सम्मान पर कार्य करता है। इसके लिए भारत के राजनीति नेतृत्व को लगातार प्रयास करना होगा।

## अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

## आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

\- संपादक

## आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

# जन प्रतिनिधि आरोपों में मस्त जनता समस्याओं से त्रस्त: कांग्रेस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम में महापौर और पार्षदों के विवाद से सबसे ज्यादा नुकसान कानपुर की जनता को हो रहा है। इस बात को उठाते हुए और नगर निगम में भ्रष्टाचार कानपुर की जनता हुई लाचारफ के नारों के साथ कानपुर महानगर कांग्रेस ने अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुआई में मंडलायुक्त कार्यालय में जोरदार नारों संग प्रदर्शन किया और फिर मंडलाआयुक्त की अनुपस्थिति में अपर आयुक्त प्रशासन रेनू सिंह को मांग पत्र सौंपा और मंडलायुक्त से तत्काल हस्तक्षेप कर नगर निगम में भाजपा के जन प्रतिनिधियों द्वारा स्वयं आरोपित व्याप्त भ्रष्टाचार की वस्तु स्थिति से कानपुर की जनता को अवगत करवाने और विवादों और भ्रष्टाचार के कारण ठप्प पड़े विकास कार्यों को पुनः शुरू करवाने की मांग की।

काफी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे और जोरदार नारेबाजी करते रहे। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि कानपुर की जनता टूटी गड्ढे दार सड़कों, जलभराव, सीवर भराव, अतिक्रमण, टूटी खराब स्ट्रीट लाइट, मलिन बस्तियों की समस्याएं, ठंड में अलाव का प्रबंध न होना, आवारा जानवर, कूड़े के ढेर, पिछले वर्षों पर लगाया गया हाउस टैक्स, गलत बिल आदि के कारण त्राहि माम है और नगर निगम में महापौर और पार्षद एक दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।नगर निगम जैसी संस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिह्न लगाने का काम किया जा रहा है जिसका सबसे ज्यादा खामियाजा कानपुर की आम जनता भुगत रही है। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि नगर आयुक्त से समय लेने के लिए फोन किया तो फोन नहीं उठा।

इसलिए मंडलायुक्त कार्यालय का दरवाजा खटखटाया है। अध्यक्ष पवन गुप्ता, हरप्रकाश अग्निहोत्री, प्रतिभा अटल पाल, शंकर दत्त मिश्रा, वसुंधरा वर्मा, रितेश यादव, दुर्गा मिश्रा, राज लक्ष्मी सिंह, सैमुअल लकी सिंह, राजेश गौतम, निजामुद्दीन खान, इकबाल अहमद, इखलाख अहमद डेविड, हरीश बाजपई, राम स्वरूप तिवारी, अजय श्रीवास्तव शीलू, संजय दीक्षित, प्रदीप निगम, राम शंकर राय, आसिफ इकबाल, धर्मेंद्र चौहान, राम जी दुबे, रमाकांत मिश्रा, इस्लाम अंसारी, शांतनु दीक्षित, नीरज शर्मा, मुकेश कन्नौजिया,विनय पांडे, सुरेश बक्शी, राज किशोर वर्मा, रवि तिवारी, आफताब खान, अजय सिंह, डॉ महादेव, आशुतोष शुक्ला, अमिताभ दत्त मिश्रा, मनोज दुबे, राजेश सविता,सुरेश गुप्ता, विनोद अवस्थी, रवि बाजपेई, राजेंद्र वाल्मीकि आदि थे।

## गांधी प्रतिमा से मशाल जुलूस निकालकर मंडल आयुक्त एवं जिला अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एवं शिक्षणेत्तर संघ के पदाधिकारियो ने शिवबहादुर यादव वरिष्ठ कर्मचारी ज्ञान भारती एम0एस0 इण्टर कालेज का वेतन अवरुद्ध करने के जिला विद्यालय निरीक्षक कानपुर नगर सन्तोष कुमार राय के अधिनियम विरुद्ध कार्य के विरोध में पदाधिकारियो ने मशाल जुलूस निकाल कर जिलाधिकारी एवं आयुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं अपर मुख्य सचिव (माध्यमिक शिक्षा) को ज्ञापन प्रेषित किया।

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ एवं शिक्षणेत्तर संघ के संयोजक हरिश्चन्द्र दीक्षित ने एक विज्ञप्ति में दी है। विज्ञप्ति के अनुसार जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा शिक्षणेत्तर संघ के महामंत्री शिवबहादुर यादव का वेतन अवरूद्ध करने तथा उनका उत्त्पीड़न किन्ही लोगो से प्रेरित होकर किये जाने की निन्दा की है। संगठन ने उच्च अधिकारियो को शिकायती ज्ञापन प्रेषित कर जिला विद्यालय निरीक्षक को दण्डित करने की मांग की है ।बताया गया है कि संगठन की अनेक मांगो को लम्बित रखने सीनियर सिटीजन के अवशेषो की अनुमन्यता जारी न करने व अपमानित करने के रवैये की निन्दा करते हुए दण्डित करने की मांग की है ।मशाल जुलूस में शिवबहादुर यादव, पंकज वर्मा, सुरेश चन्द्र, राम भवन गौतम , इख्तियार अहमद, राजेंद्र कुरील, आर पी यादव, अनिल कुमार, अनिलसिंह, मुरलीधर त्रिपाठी, बाबूलाल, मनोज कुमार, पंडित जितेन्द्र वाल्मीकि, अफजाल अहमद, गोविंद कुमार, सुरेश यादव, उमेश चंद, मनजीत सिंह चड्ढा, राजकुमार शुक्ला, नरेश, राहुल,सुरेश कुमार,अखिलेश गुप्ता, इत्यादि लोग सम्मिलित थे।

# अपर श्रम आयुक्त कार्यालय में लगाया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के प्रतिष्ठित डॉ. लालचंदानी ईएनटी एंड हार्ट सेंटर द्वारा अपर श्रम आयुक्त कार्यालय में एक दिवसीय नि:शुल्क हृदय एवं ईएनटी (कान, नाक, गला) जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को व्यस्त कार्यशैली के बीच उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और सर्दियों में होने वाली बीमारियों से बचाना था।

शिविर में विशेषज्ञों की टीम का नेतृत्व डॉ. देवार्थ लालचंदानी (ईएनटी ऑन्को सर्जन) और डॉ. आरती दवे लालचंदानी (वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ) ने किया। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों और अधिकारियों के हृदय की जांच (श्रष्टत्र व परामर्श) और ईएनटी संबंधी परीक्षण किए गए ।जांच के उपरांत डॉ. आरती दवे लालचंदानी ने बताया कि सर्दियों के मौसम में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे हृदय पर दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए नियमित जांच और सही खान-पान अनिवार्य है। वहीं, डॉ. देवार्थ लालचंदानी ने सर्दियों में होने वाले साइनस, एलर्जी और गले के संक्रमण के प्रति कर्मचारियों को सचेत किया और बचाव के तरीके साझा किए ।एएलसी कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मानवीय पहल के लिए डॉ. लालचंदानी और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया। सेंटर ने भविष्य में भी इस तरह के जन-कल्याणकारी शिविर आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

## आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी नौकरी से बाहर, विरोध प्रदर्शन कर महापौर को सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को बिना नोटिस ना ही सूचना दिए बगैर हटा दिए गए जिसको लेकर स्वच्छकार कामगार यूनाइटेड फोरम के संयोजक सुनील राजदान के नेतृत्व में आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी पुरुष एवं महिलाओं ने नगर निगम पर भारी आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। सुनील राजदान ने बताया कि आउटसोर्सिंग का खेल चल रहा है। बिना शुल्क के नौकरी नहीं मिलती। दिन पर दिन रिश्वत बढ़ती जा रही है, नौकरी का कोई भरोसा नहीं। आगे कहा कि इन आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को हटाए जाने नियुक्ति किए जाने के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। क्योंकि छोटे कर्मचारियों का कब तक शोषण किया जाएगा।

महापौर प्रमिला पांडे को ज्ञापन सौंप कर कहा की 18 हटाए गए कर्मचारियों को वापस लिया जाए एवं चार मृतक आश्रित की नियुक्ति की जाए। निकाले गए आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी हिमांशु, नरेश, पूनम, रत्न, सुनैना, आदित्य, प्रीतम, जितेंद्र, चुन्नी, अनीता, पूजा, महेंद्र, अनुज, विजय, सीमा, शिवम, अमन, अमर सिंह एवं स्थाई मृतक आश्रित रेखा, पूजा, जितेंद्र, शिवकुमार को नौकरी पर वापस लिया जाए। ज्ञापन के दौरान प्रकाश भारती, सुनील राजदान, चौधरी एस राज भारती, विनोद खौटे, भोला हजारिया, जितेंद्र बाल्मीकि आदि लोग रहे।

# सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा थीम पर जनजागरूकता अभियान की शुरुआत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माहङ्क2026 के तहत फ्सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षाफ् थीम पर जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और पुलिस प्रशासन के निर्देशों के क्रम में बिठूरङ्ककानपुर हाइवे प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नेवादा टोल प्लाजा, शिवराजपुर में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, कानपुर के प्रबंधक तकनीकी मोहम्मद जैद रहे। विशेष अतिथि के रूप में डीएसपी कपिल देव सिंह तथा विशिष्ट अतिथि आरटीओ राहुल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस दौरान एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह, एआरटीओ कहकशा खातून, एसएचओ शिवराजपुर, एसएचओ अरौल सहित यातायात एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद दोपहिया वाहन चालकों को 50 हेलमेट वितरित किए गए। साथ ही टोल प्लाजा से गुजरने वाले चालकों का नेत्र परीक्षण कराया गया तथा वाहनों पर उच्च गुणवत्ता वाले रेडियम रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। सड़क सुरक्षा की शपथ भी आमजन को दिलाई गई।

मुख्य अतिथि मोहम्मद जैद ने कहा कि सड़क पर निकलने वाला हर व्यक्ति केवल अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पूरे परिवार की जिम्मेदारी लेकर चलता है। घर से निकलने के बाद माता-पिता, पत्नी, बच्चे और परिजन सुरक्षित वापसी की प्रतीक्षा करते हैं।

इसके बावजूद बिना हेलमेट, तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाना रोज़ हो रही दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन रहा है। उन्होंने कहा कि लोग नियम जानते हुए भी अनजान बने रहते हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है।

इस अवसर पर बिठूरङ्ककानपुर हाइवे प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दो नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे दुर्घटना की स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित की जा सके।

डीएसपी कपिल देव सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में निरंतर कमी लाना प्रशासन की प्राथमिकता है। यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन ही सुरक्षित सड़क व्यवस्था की नींव है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सड़क सुरक्षा को केवल अभियान नहीं, बल्कि दैनिक आदत बनाया जाए।

कार्यक्रम में परियोजना प्रबंधक आलोक सिन्हा और संदीप तोमर ने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निर्देशानुसार पूरे माह प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें स्कूलों में स्लोगन, प्रश्नोत्तरी, पेंटिंग प्रतियोगिताएं, रैली, नुक्कड़ नाटक, चालकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता प्रदर्शनी शामिल होंगी। कार्यक्रम का संचालन सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अवार्ड से सम्मानित फिरोज़ खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर भास्कर, हरिकांत, रोहित चौहान, पीयूष, यशवंत सहित हाइवे प्रबंधन के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

## पीडीए प्रहरियों की आकस्मिक बैठक समाजवादी पार्टी कार्यालय में हुई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी पार्टी महानगर के पीडीए प्रहरियों की आकस्मिक बैठक समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में समाजवादी पार्टी कार्यालय में हुई। जिसका संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर पीडीए प्रहरियों ने एस आई आर में नगर के पांचो विधानसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य करके फर्जी वोटर डुप्लीकेट वोटर तथा मृतकों की पहचान तथा एब्सेंट पर जो कार्य किया है। उससे बीजेपी वोट बढ़ाने पर गलत प्रयोग जो कर रही है। उसको सपा फॉर्म 6 का गहन अध्ययन आरंभ कर रही है ।महानगर अध्यक्ष ने आगे कहा कि सपा महानगर पीडीए ने 6 नवंबर 2025 को विधानसभा में आशंका जताई थी की एसआईआर अभियान में 9 लाख वोट काटने की आशंका है जो 7 जनवरी 2026 को सही साबित हो गई। सपा अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा की चुनाव अधिकारी को लिखकर फॉर्म 6 जो बीएलओ ने भरवाए हैं उनकी सूची उपलब्ध कराई जाए। ताकि मंथन करके तथ्यों से अवगत कराया जा सके क्योंकि पीडीए प्रहरियों ने उक्त संबंध में सपा को अवगत कराया है। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि सपा पीडीए ने नकली दवा, दूषित पानी, कागज पर जीएसटी, महंगी किताबें, खान-पान में मिलावट, बढ़ते हाउस टैक्स, जल संस्थान के जल में मानक की गुणवत्ता में कमी, मलिन बस्तियों की समस्याएं, सड़क पर 5000 गड्ढे, सड़कों के निर्माण आदि मुद्दे 2025 में उठाकर बीजेपी की चूल्हे हिल गई हैं।

जिसके कारण जनता 2027 में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर बेरोजगारी व महंगाई पर जनता के हितों को अग्रणी रखकर अभियान चलाकर परिवर्तन का संदेश देगी। बैठक मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव के.के. शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी, आनंद शुक्ला, महेन्द्र सिह, रजत मिश्रा, कीर्ती अग्निहोत्री, गुड्डू यादव, एहसास बॉबी, मो आकिल, जस्वेन्द्र निषाद आदि लोग मौजूद रहे।

### बच्ची से 61 वर्षीय वृद्ध ने किया दुष्कर्म, भेजा गया

कानपुर। बजरिया थाना क्षेत्र के कर्नलगंज में बीते दिसंबर में सात साल की बच्ची के साथ 61 वर्षीय वृद्ध ने दुष्कर्म किया।

पीड़ित की मां का आरोप है कि बच्ची को खिलाने के बहाने ले जाकर अश्लील हरकत करता था। मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।बजरिया इंस्पेक्टर ने बताया कि 13 दिसंबर को पीड़ित महिला ने आरोप लगाया था कि पड़ोसी 61 वर्षीय शिवराम गुप्ता कई दिनों से उनकी सात वर्षीय बेटी के साथ अश्लील हरकत कर रहा है। इसकी वजह से उनकी बेटी सहमी हुई है। बेटी के गुमसुम रहने पर उन लोगों ने उससे पूछा तब सच्चाई पता चली। इसके बाद परिजनों ने आरोपी वृद्ध से विरोध जताया तो उसने जान से मारने की धमकी दी।

### मनीष त्रिपाठी जिला पंचायत के नए अधिवक्ता नियुक्त किए गए

» बीपीएस न्यूज, आशीष शर्मा

प्रयागराज । जिला पंचायत ने मनीष त्रिपाठी को नया अधिवक्ता नियुक्त किया है, त्रिपाठी जो बाँधबरी हाउसिंग स्कीम के मातृछाया हाउस निवासी हैं, और इलाहाबाद हाईकोर्ट के अनुभवी अधिवक्ता हैं, जो कि अब जिला पंचायत के सभी मामलों की हाई कोर्ट मे पैरवी करेंगेद्य इस नियुक्ति की जानकारी जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी ने दी। आदेश जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वी के सिंह की स्वीकृति के बाद जारी किया गया । जिला पंचायत के लिए यह नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है द्य क्योंकि इससे न्यायिक मामलों में पेशेवर प्रतिनिधित्व और त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित होगी । मनीष त्रिपाठी के पास कई वर्षो का कानूनी अनुभव है, और उन्होंने पहले भी विभिन्न सरकारी संस्थानों के मामलो मे पैरवी की है।

# हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच जिला प्रशासन ने राहत अभियान किया तेज

## प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए क्यू-आर कोड युक्त स्टिकर

**» बीपीएस न्यूज**

कानपुर। नगर में शीत-लहर और हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बीच जिला प्रशासन ने राहत अभियान तेज कर दिया। तहसील सदर क्षेत्र में देर रात्रि तक विशेष अभियान चलाकर सड़क किनारे खुले में जीवन गुजार रहे जरूरतमंदों को ठंड से बचाने की व्यवस्था की गई। प्रशासनिक टीमें शहर के उन इलाकों में पहुंचीं, जहां ठंड का असर सबसे अधिक देखा जा रहा था।ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह और तहसीलदार सदर विनय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में राजस्व विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम ने प्रमुख चौराहों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों के आसपास डेरा डाले लोगों से सीधा संवाद किया। मौके पर कंबल वितरित किए गए और खुले में सो रहे लोगों को निकटस्थ रैन बसेरों में पहुंचाकर सुरक्षित आश्रय दिलाया गया। कई स्थानों पर टीम ने लोगों को समझाकर खुले में रुकने से रोका।

अभियान के तहत शहर में एक नई तकनीकी पहल भी की गई है। प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर क्यू-आर कोड युक्त स्टिकर लगाए गए हैं। इन्हें स्कैन करने पर संबंधित क्षेत्र के रैन बसेरों की लोकेशन, वहां उपलब्ध सुविधाएं और केयरटेकर का मोबाइल नंबर एक ही स्क्रीन पर उपलब्ध हो रहा है। इससे यात्रियों, प्रवासियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को रैन बसेरों की जानकारी तत्काल मिल सकेगी।

एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने बताया कि शीत-लहर के दौरान खुले में रह रहे लोगों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रैन बसेरों की क्षमता, साफ-सफाई, कंबल और हीटर की व्यवस्था पर लगातार निगरानी की जा रही है और ठंड की अवधि में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

# 90 करोड़ से होगा आंतरिक विकास, आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा इंडस्ट्रियल इस्टेट

**» बीपीएस न्यूज**

कानपुर। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के तहरापुर में प्रस्तावित औद्योगिक आस्थान को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार देर सायं जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने प्रस्तावित स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर भूमि की स्थिति, सीमांकन और विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इस परियोजना को कानपुर नगर के औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए सभी प्रक्रियाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि उद्यमों का विकास मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल है और यह परियोजना स्थानीय निवेश को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को मजबूती देगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंतरिक विकास कार्यों की गुणवत्ता शासन की मंशानुरूप औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त उद्योग अंजनीश प्रताप सिंह ने बताया कि औद्योगिक आस्थान का ले-आउट इस तरह तैयार किया जा रहा है कि उद्यमियों को सभी आधारभूत सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकें और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया सुगम बने। प्रशासन के अनुसार इस औद्योगिक आस्थान में लगभग 125 लघु एवं मध्यम स्तर के उद्यम स्थापित किए जा सकेंगे। इससे उद्यमियों को सस्ती दरों पर औद्योगिक भूमि उपलब्ध होगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह, राजस्व विभाग की टीम, उपायुक्त उद्योग तथा यूपीएसआईसी के अधीक्षण अभियंता प्रभात वाजपेयी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने परियोजना से जुड़े तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं की जानकारी दी।

# राज्य महिला आयोग की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई सम्पन्न

**» बीपीएस न्यूज**

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या पूनम द्विवेदी की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई कर उनका नियमानुसार, समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना रहा।आयोजित महिला जनसुनवाई के दौरान कुल 05 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएँ सम्मिलित रहीं। प्राप्त प्रकरणों में से एक प्रकरण वृद्धा पेंशन से संबंधित था, जिसका सदस्या द्वारा संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कराते हुए मौके पर ही त्वरित निस्तारण कराया गया।

शेष प्रकरणों को सदस्या द्वारा गम्भीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए प्रगति आख्या आयोग को उपलब्ध कराई जाए। सदस्या द्वारा स्पष्ट किया गया कि महिलाओं से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

इस अवसर पर सदस्या पूनम द्विवेदी ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, सम्मान एवं सशक्तीकरण राज्य महिला आयोग की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि महिला जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त प्रकरणों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से संबंधित पेंशन, पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की जाए तथा पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय से उपलब्ध कराया जाए।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी (न्यायिक) बिल्हौर सत्यपाल प्रजापति, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रीति सिन्हा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्तागण सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## शीतलहर ने बढ़ाई गलन भरी ठंड

**लखनऊ/ कानपुर। पहाड़ों पर बर्फबारी और 15 से 20 किलोमीटर की रफ्तार से चल रहीं हवाओं और कोहरे से राजधानी में गलन भरी ठंड बढ़ गई। रविवार को ठंड के आगे धूप भी बेसअर रही। न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। शनिवार के मुकाबले न्यूनतम तापमान में करीब 5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गिरावट दर्ज की गयी। यह सामान्य से 1.8 डिग्री कम रहा। वहीं अधिकतम तापमान 16.9 डिग्री रिकार्ड किया गया।**

**मौसम विभाग के अनुसार आगामी 24 से 48 घंटों के दौरान तापमान में थोड़ी और गिरावट के बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की सम्भावना है। आगामी कुछ दिनों तक घने से बहुत घने कोहरे एवं तेज हवाओं के कारण तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है।**

# राष्ट्रीय राजमार्ग में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चलाया जा रहा है विशेष जागरूकता अभियान

**» शीत ऋतु के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्ग में स्ट्रीट लाइटों का समय परिवर्तित हुआ शाम 5 बजे से सुबह 8 बजे तक जलेंगी स्ट्रीट लाइटे**

**» बीपीएस न्यूज**

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में शीत ऋतु एवं कोहरे को दृष्टिगत रखते हुए परियोजना निदेशक पंकज यादव द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसके अंतर्गत हाईवे पर लगी स्ट्रीट लाइटों को जलाने का समय सायं 5:00 बजे से प्रात: 8:00 बजे तक निर्धारित किया गया है,

ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनी रहे और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। इस व्यवस्था से रात्रिकालीन एवं प्रात:कालीन समय में यात्रियों को बेहतर दृश्यता प्राप्त होगी तथा आवागमन अधिक सुरक्षित हो सकेगा।राष्ट्रीय राजमार्ग के परियोजना निदेशक पंकज यादव ने बताया कि एनएचएआई, कानपुर द्वारा सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनपद के विभिन्न टोल प्लाजाओं पर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना तथा सुरक्षित यातायात के प्रति आमजन को जागरूक करना है।

सड़क सुरक्षा माह के दौरान टोल प्लाजाओं पर राहगीरों एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही भारी एवं हल्के वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए जा रहे हैं, जिससे रात्रिकालीन समय में वाहनों की दृश्यता बढ़े और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों को पेट्रोलिंग टीम द्वारा नियमित रूप से हटवाया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत रात्रिकालीन निरीक्षण कर हाईवे पर लगी स्ट्रीट लाइटों की स्थिति की जांच की जा रही है तथा खराब लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराया जा रहा है। बिना हेलमेट चल रहे दोपहिया वाहन चालकों को टोल प्लाजाओं पर हेलमेट वितरित कर उन्हें सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त एनएचएआई में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ दिलाई जा रही है। एनएचएआई अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सड़क पर प्रत्येक व्यक्ति की जान की सुरक्षा से जुड़ा एक सतत प्रयास है, जिसे आगे भी नियमित रूप से जारी रखा जाएगा।

# ड्राफ्ट मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन, डीएम ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उपलब्ध कराई ड्राफ्ट रोल की प्रतियां

**» बीपीएस न्यूज**

कानपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जनपद की सभी दस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की ड्राफ्ट मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन आज दिनांक 6 जनवरी को किया गया। इसके उपरांत कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्हें प्रकाशित निर्वाचक नामावलियों की हार्ड एवं सॉफ्ट प्रतियां उपलब्ध कराई गईं। बैठक में पुनरीक्षण अभियान की समयसीमा, सत्यापन प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

आलेख्य रूप से प्रकाशित मतदाता सूची जनपद के सभी 3770 मतदेय स्थलों पर आमजन के अवलोकन के लिए उपलब्ध है। इसके साथ ही संबंधित बीएलओ, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, जिला निर्वाचन कार्यालय तथा डीईओ-एनआईसी पोर्टल पर भी मतदाता सूची सार्वजनिक रूप से देखी जा सकती है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मतदाता को यह अवसर दिया गया है कि वह सूची का परीक्षण कर सके और किसी भी प्रकार की त्रुटि की स्थिति में निर्धारित अवधि के भीतर दावा या आपत्ति प्रस्तुत कर सके।

ड्राफ्ट प्रकाशन के उपरांत जनपद में कुल मतदाताओं की संख्या 26,36,113 दर्ज की गई है, जिसमें 14,32,050 पुरुष, 12,03,952 महिला तथा 111 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। विधानसभा वार आंकड़ों के अनुसार बिल्हौर में 3,22,155, बिठूर में 3,24,295, कल्याणपुर में 2,41,741, गोविंद नगर में 2,39,636, सीसामऊ में 1,99,010, आर्यनगर में 2,03,807, किदवई नगर में 2,50,841, कानपुर कैंट में 2,42,357, महाराजपुर में 3,30,321 तथा घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र में 2,81,950 मतदाता दर्ज किए गए हैं।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में नो-मैपिंग श्रेणी में कुल 2,07,661 मतदाता पाए गए हैं, जो कुल मतदाताओं का 5.81 प्रतिशत है। इन सभी प्रकरणों में संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा विधिवत नोटिस जारी किए जाएंगे।

नोटिस के अनुपालन में मतदाताओं से आयोग द्वारा निर्धारित 13 प्रकार के वैध अभिलेखों में से किसी एक के माध्यम से सत्यापन कराया जाएगा, जिनमें पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, केंद्र अथवा राज्य सरकार द्वारा जारी सेवा पहचान

पत्र, बैंक या डाकघर की फोटोयुक्त पासबुक, मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम विभाग का पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश, सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र अथवा मतदाता के नाम से जारी बिजली, पानी या टेलीफोन बिल, आधार कार्ड शामिल हैं। यह सत्यापन प्रक्रिया 6 जनवरी से 27 फरवरी 2026 के बीच अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा नोटिस में उल्लिखित स्थलों पर पूरी की जाएगी।

पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत बूथों का पुनर्संयोजन भी किया गया है, जिसके फलस्वरूप जनपद में मतदान केंद्रों की संख्या 3620 से बढ़कर 3770 हो गई है। प्रशासनिक स्तर पर इसे मतदाताओं की सुविधा और मतदान प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत विधानसभा वार अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 6 मार्च 2026, शुक्रवार को किया जाएगा।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है और विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र नाम सूची में दर्ज न हो। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ विवेक चतुर्वेदी , एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह सहित विभिन्न अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली के सफल प्रकाशन के उपरांत बूथ लेवल अधिकारियों के कार्य की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घर-घर सत्यापन, मतदाता विवरण के अद्यतन और समयबद्ध डाटा संकलन में बीएलओ की मेहनत के कारण ही यह महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा हो सका। जिलाधिकारी ने बीएलओ को निर्वाचन प्रक्रिया की जमीनी कड़ी बताते हुए उनके योगदान को लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

# लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी व अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश

» राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख एवं पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में आरोप...

» बीपीएस न्यूज

**नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख एवं पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में आरोप तय करने का शुक्रवार को आदेश दिया।विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि यादव ने रेल मंत्रालय को अपनी निजी जागीर के रूप में इस्तेमाल किया ताकि वह एक आपराधिक गतिविधि को अंजाम दे सकें, जिसमें सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करके यादव परिवार ने रेलवे अधिकारियों और अपने करीबी सहयोगियों की मिलीभगत से जमीन हासिल की।**

अदालत ने इस मामले में 41 लोगों के खिलाफ आरोप तय किये और रेलवे अधिकारियों समेत 52 लोगों को बरी कर दिया। इससे पहले, सीबीआई ने मामले में आरोपी व्यक्तियों की स्थिति के बारे में एक सत्यापन रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कहा गया था कि उसके आरोप-पत्र में नामजद 103 आरोपियों में से पांच की मौत हो गई है।

अदालत ने मामले में औपचारिक रूप से आरोप तय करने के लिए 23 जनवरी की तारीख तय की है। जांच एजेंसी ने कथित घोटाले के सिलसिले में लालू यादव, उनकी पत्नी एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया था।आरोप है कि मध्यप्रदेश के जबलपुर में स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य जोन में ग्रुप-डी श्रेणी में भर्तियां लालू यादव के रेल मंत्री रहते 2004 से 2009 के बीच की गईं।

इसके बदले में भर्ती होने वाले लोगों ने राजद प्रमुख के परिवार के सदस्यों या सहयोगियों के नाम पर जमीन के टुकड़े तोहफ़े में दिए या हस्तांतरित किये।

सीबीआई ने यह भी दावा किया कि ये नियुक्तियां नियमों का उल्लंघन करके की गईं और इन लेन-देन में बेनामी संपत्तियां शामिल थीं, जो आपराधिक कदाचार और साजिश के समकक्ष है। आरोपियों ने आरोपों से इनकार किया और दावा किया है कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है।

ईडी छापा

कोलकाता में ममता ने किया मार्च का नेतृत्व, बोलीं

# छापेमारी का मकसद तृणमूल की रणनीति को चुराना

» बनर्जी ने केंद्र के साथ अपने टकराव को बढ़ाते हुए दावा किया कि सभी एजेंसियों पर कब्जा कर लिया गया है

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की रणनीति को 'चोरीकरने के लिए प्रवर्तन निदेशालय केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में काम कर रहा है। ईडी द्वारा 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर वीरवार को छापेमारी के दौरान उनका वहां पहुंचना गलत नहीं था।

ममता बनर्जी ने दस किलोमीटर लंबे विशाल विरोध मार्च के बाद यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने छापेमारी स्थल पर विशुद्ध रूप से तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में हस्तक्षेप किया था, न कि मुख्यमंत्री के रूप में। उन्होंने छापेमारी स्थल पर अप्रत्याशित रूप से पहुंचने के संदर्भ में कहा कि मैंने कल जो कुछ भी किया, वह तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष के तौर पर किया। मैंने कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया है। 'आई-पैक तृणमूल कांग्रेस को राजनीतिक परामर्श सेवा मुहैया कराती है।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि एजेंसी सुबह-सुबह परिसर में दाखिल हुई और जब तक वह पहुंचीं, तब तक ''बहुत सारा सामान पहले ही ले जाया जा चुका था। तृणमूल प्रमुख ने कहा कि आप सुबह छह बजे परिसर में दाखिल हुए। मैं पूर्वाह्न करीब 11.45 बजे वहां पहुंची। तब तक कई चीजें चोरी हो चुकी होंगी। उन्होंने ईडी पर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले उनकी पार्टी के रणनीतिक दस्तावेजों तक पहुंचने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने केंद्र के साथ अपने टकराव को बढ़ाते हुए ने दावा किया कि ''सभी एजेंसियों पर कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कई राज्यों की सत्ता पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया।

उन्होंने सवाल किया कि आपने ताकत के बल पर महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार की सत्ता पर कब्जा किया। क्या आपको लगता है कि आप बंगाल पर भी कब्जा कर सकते हैं?बनर्जी ने कहा कि कोई भी राजनीतिक हमला उनके संकल्प को और मजबूत करता है। अगर कोई मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने की कोशिश करता है, तो मुझे राजनीतिक रूप से नयी ऊर्जा मिलती है और पुनर्जन्म होता है।

मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने उसकी मदद से महाराष्ट्र में जनादेश 'चुरा लिया था और अब विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से वैध मतदाताओं के नाम हटाकर बंगाल में भी ऐसा ही करने का प्रयास कर रही है। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि उनकी पार्टी का 'अगला गंतव्य नई दिल्ली में निर्वाचन आयोग होगा, जहां एसआईआर के दौरान मतदाताओं के कथित उत्पीड़न का विरोध किया जाएगा।

# ढाका का बड़ा फैसला, भारत में वीजा सेवा निलंबित, अमेरिका से छूट की गुहार

» बीपीएस न्यूज

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने आज कहा कि उसने सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर दिल्ली सहित भारत में स्थित अपने प्रमुख मिशनों से वीजा सेवाएं निलंबित करने को कहा है। विदेश मामलों के सलाहकार एम.तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि बांग्लादेश ने अमेरिका द्वारा हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड की आवश्यकता को भी रद्द करने की मांग की है।

हुसैन ने कहा कि मैंने भारत में स्थित अपने तीनों मिशनों को फिलहाल वीजा संबंधी खंड बंद रखने के लिए कहा है। यह सुरक्षा का मामला है। सलाहकार की यह टिप्पणी तब आई जब कोलकाता स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायोग ने रातोंरात वीजा सेवाओं को बंद कर दिया, जबकि दिल्ली और अगरतला में भी इसी तरह के कदम उठाए गए थे, जिनमें व्यापार और कार्य वीजा को इसके दायरे से बाहर रखा गया था।बांग्लादेश के मुंबई और चेन्नई में भी राजनयिक मिशन हैं, जहां वीजा सेवाएं चालू रहीं। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इससे पहले पांच अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीजा पर रोक लगा दी थी। जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।हुसैन ने यह भी कहा कि बांग्लादेश अमेरिका द्वारा हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड की आवश्यकता से छूट प्राप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास करेगा।

# हाई कोर्ट ने दिए 30 अप्रैल से पहले पंचायत चुनाव कराने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव छह महीने के लिए टालने की राज्य सरकार की याचिका खारिज करते हुए पंचायती राज और नगर निकायों के चुनाव 30 अप्रैल 2026 से पहले कराने का शुक्रवार को निर्देश दिया।राज्य सरकार की याचिका को चुनौती देने वाली अधिवक्ता मनदीप चंदेल की जनहित याचिका (पीआईएल) का निपटारा करते हुए न्यायमूर्ति विवेक ठाकुर और न्यायमूर्ति रमेश वर्मा की अगुवाई वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को पूरी चुनाव प्रक्रिया 28 फरवरी तक पूरी करने के भी निर्देश दिए।

राज्य सरकार ने दलील दी कि सार्वजनिक और निजी संपत्तियों तथा सड़कों को व्यापक नुकसान हुआ है और राज्य में आपदा प्रबंधन अधिनियम लागू है, इसलिए जमीनी हालात सुधरने तक चुनाव प्रक्रिया स्थगित की जाए।हालांकि, हाई कोर्ट ने लगातार तीन दिनों तक दलीलें सुनने के बाद सरकार को 30 अप्रैल 2026 से पहले चुनाव कराने का आदेश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता नंद लाल ने कहा कि हाई कोर्ट ने मार्च में स्कूलों में प्रस्तावित बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए यह समयसीमा तय की है, क्योंकि उस दौरान मतदान केंद्र बनाना व्यावहारिक नहीं होगा।

अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव अप्रैल के अंत से पहले पूरे होने चाहिए। राज्य सरकार ने हाल की आपदा और व्यवस्थागत चुनौतियों का हवाला देते हुए चुनाव कराने के लिए कम से कम छह महीने का समय मांगा था, लेकिन अदालत ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया।

राज्य निर्वाचन आयोग ने भी कहा कि चुनाव को और टालने से कठिनाइयां बढ़ेंगी, क्योंकि मई में जनगणना कार्य शुरू हो जाएगा और जुलाई-अगस्त के मानसून महीनों में चुनाव कराना लगभग असंभव होगा।पंचायती राज संस्थाओं का पांच वर्षीय कार्यकाल 31 जनवरी 2026 को समाप्त हो रहा है, जबकि 50 नगर निकायों का कार्यकाल 18 जनवरी 2026 को खत्म होगा। राज्य में कुल 3,577 ग्राम पंचायतें, 90 पंचायत समितियां, 11 जिला परिषदें और 71 नगर निकाय हैं। विपक्ष ने भी चुनाव स्थगित किए जाने की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि राज्य सरकार चुनाव से बच रही है।

बीजेपी पर अखिलेश यादव का तीखा वार

# काली कमाई के साझेदार सत्ताधारी

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को एक बार फिर कोडीन कफ सिरप के अवैध कारोबार का मामला उठाते हुए आरोप लगाया कि अरबों की इस काली-कमाई में 'सत्ताधारी की भागीदारी है, इसीलिए भाजपा राज में जनता अभागी मारी-मारी फिर रही है।

यादव ने एक्स पर 2.24 करोड़ बोतलें शुभम (शुभम जायसवाल, अवैध कारोबार का आरोपी) ने बांग्लादेश भेजी शीर्षक वाली खबर का क्लिप साझा करते लिखा कि जिसे पहले लोग स्थानीय अपराध समझ रहे थे, जब पहली परत खुली तो वह राज्यव्यापी निकला, फिर एक और परत खुली तो राष्ट्रव्यापी निकला और अब एशिया स्तरीय अपराध के रूप में सामने आ रहा है।यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया राज खत्म नहीं हुआ है बल्कि प्रमोशन पा गया है। और जानलेवा साबित हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस अरबों की काली-कमाई में 'सत्ताधारी की भागीदारी है, इसीलिए भाजपा राज में मारी-मारी जनता अभागी फिर रही है।सपा प्रमुख का कहना है कि भाजपा अंतिम पारी का अंतिम चरण खेल रही है, उसके ओवर अब 'ओवर हो गए हैं।

भाजपा की पूरी टीम मैच खत्म होने से पहले ही 'ऑल आउट हो रही है। कोडीन आधारित कफ सिरप के अवैध कारोबार के मामले को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दलों खासतौर से सपा के बीच लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

अभी विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी यह मुद्दा खूब जोर शोर से उठा। सदन के अंदर से लेकर बाहर तक जमकर प्रदर्शन और हंगामा किया। विधानसभा सत्र के पहले ही दिन (19 दिसंबर,2025) सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था

कि इस मामले की जांच के लिए एक राज्य स्तरीय विशेष जांच टीम काम कर रही है, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस और एफएसडीए (खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन) के अधिकारी शामिल हैं।किन-किन लोगों तक इस अवैध कारोबार का पैसा पहुंचा है, यह सब जांच में सामने आएगा। 'यही कसूर मैं बार-बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा। योगी ने कहा था कि माफियाओं के साथ इनकी (अखिलेश यादव) भी तस्वीरें हैं।

# राम मंदिर और आसपास के क्षेत्र में अब नॉनवेज की नहीं होगी डिलीवरी, प्रशासन ने पूरी तरह लगाई रोक

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। राम मंदिर और आसपास के क्षेत्र में अब नॉनवेज की डिलीवरी नहीं होगी। प्रशासन ने इस पर पूरी तरह रोक लगी दी है। होटल संचालकों, दुकानदारों, गेस्ट हाउस, होम-स्टे और ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों को आदेश से अवगत करा दिया गया है। आगे पढ़ें पूरी खबर...

यूपी के अयोध्या में राम मंदिर और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग की परिधि के भीतर नॉनवेज खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रशासन ने पूरी तरह से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध अब केवल होटल, ढाबे और दुकानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऑनलाइन खाना डिलीवरी करने वाली कंपनियों पर भी लागू होगा। प्रशासन ने इस संबंध में होटल संचालकों, दुकानदारों, गेस्ट हाउस, होम-स्टे और ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों को आदेश से अवगत करा दिया है। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सहायक खाद्य आयुक्त मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि राम मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्रों में नॉनवेज की बिक्री पर पहले से ही प्रतिबंध है, लेकिन कुछ होटल, गेस्ट हाउस और होम-स्टे इसका पालन नहीं कर रहे थे। शिकायतें मिली थी कि पर्यटकों को ऑनलाइन माध्यम से नॉनवेज भोजन मंगाकर परोसा जा रहा है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने अब राम मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में ऑनलाइन नॉनवेज डिलीवरी पर भी रोक लगा दी है। सभी संबंधित प्रतिष्ठानों और ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों को इस आदेश की जानकारी दे दी गई है। प्रशासन इस आदेश का सख्ती से पालन कराएगा, नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीएम योगी ने ईवी प्लांट का किया उद्घाटन, बोले

# अब यूपी अपनी क्षमताओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षामंत्री ने लखनऊ में अशोक लीलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने फैक्ट्री का उद्घाटन करने के बाद ई-बस में सफर भी किया। फैक्ट्री का निर्माण सरोजनी नगर इलाके में करीब 70 एकड़ में किया गया है। यहां पर ई-बस, ई-ट्रेवलर और ई-लोडिंग वाहन बनाए जाएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हमारे लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इसके लिए मैं हिंदुजा परिवार को बधाई देता हूं। यह निवेश बताता है कि यूपी में बीते आठ वर्षों में क्या परिवर्तन हुए हैं। प्रदेश के हर जिले में निवेश हो रहा है। जो कि बताता है कि अब यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल का ही प्रदेश नहीं बल्कि पोटेंशियल को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बन चुका है। आज यूपी न सिर्फ देश के बल्कि दुनिया के निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है। यही कारण है कि यूपी में निवेश के लिए 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। प्रदेश में बीते आठ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में जो काम हुआ है यही कारण है कि आज देश के 55 फीसदी एक्सप्रेस वे यूपी में हैं। प्रदेश में रैपिड रेल बनाई जा रही है। आज प्रदेश में 18 हजार स्टार्टअप काम कर रहे हैं।इस मौके पर भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि यह सिर्फ प्रदेश के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए आत्मनिर्भर भारत और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में बड़ा कदम है। यह भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि योगी जी जिस तरह से यूपी को चला रहे हैं। उससे सहज ही प्रदेश की रेटिंग एक्सीलेंट कही जा सकती है। अशोक लीलैंड कंपनी की इस ईवी फैक्टरी का उद्घाटन प्रदेश के औद्योगीकरण की दिशा में मील का पत्थर है।

उन्होंने कहा कि मैं लखनऊ से सांसद हूं पर अगर मैं लखनऊ का न भी होता तो भी यह शहर मुझे उतना ही प्रिय होता जितना कि आज है । पहले जिस यूपी को खराब कानून व्यवस्था और दंगों से जोड़कर देखा जाता था वो अब निवेश के क्षेत्र में अपनी जगह बना रहा है। यह बहुत बड़ी बात है। प्रदेश में निवेश होने से यहां के युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार मिल सकेगा। रक्षामंत्री ने कहा कि अब यूपी में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है। अब भारत एक कमजोर देश नहीं बल्कि अपने हथियार खुद बनाता है।रक्षामंत्री ने कहा कि अब यूपी में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण किया जा रहा है। अब भारत एक कमजोर देश नहीं बल्कि अपने हथियार खुद बनाता है और इस कार्य में यूपी बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका निभा रहा है।

# राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश, रोकने पर लगाये धार्मिक नारे

अयोध्या में राम मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में भारी चूक का मामला सामने आया है। परिसर में सीता रसोई के सामने एक कश्मीरी युवक को नमाज पढ़ने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया है। वो कश्मीरी वेशभूषा में था। युवक राममंदिर के गेट ष्1 से घुसा था। पकड़े गए युवक का नाम अहद शेख है। वह कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है। उसकी पहली तस्?वीर सामने आ गई है।

जो जानकारी मिल रही है उसके मुताबिक अहद शेख को जब सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने धार्मिक नारे लगाने शुरू कर दिए। पुलिस ने अहमद शेख को गिरफ्तार कर लिया है और खुफिया एजेंसी उससे पूछताछ कर रही है। वहीं अहद शेख की गिरफ्तारी के वक?त कश?मीर के दो अन?य युवक मंदिर परिसर के आसपास भागते हुए दिखे। पुलिस ने उन दोनों को भी हिरासत में ले लिया है।मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की घटना के बाद पुलिस एक्टिव हो गई। शहर में कश्मीरी शॉल बेचने वाले लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। उनसे भी पूछताछ हो रही है। घटना आज सुबह की घटना बताई जा रही है। वहीं इस मामले पर राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से कोई भी बयान सामने नहीं आया है।

# कुरकुरी आलू-बथुआ की बनाएं कचौड़ी

ठंड के मौसम में गरमा-गरम कचौड़ी खाने का मजा ही कुछ और होता है। अगर आप रोज की कचौड़ी से कुछ अलग और हेल्दी ट्राय करना चाहते हैं, तो आलू-बथुआ की कचौड़ी एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। सर्दियों में आसानी से मिलने वाले बथुआ के पत्तों से बनी यह कचौड़ी स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। आइए जानते हैं घर पर ही आसान तरीके से आलू-बथुआ की कचौड़ी बनाने की पूरी रेसिपी के बारे मेंज

इस स्वादिष्ट कचौड़ी को बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं होती। इसके लिए मैदा, उबले हुए आलू, बथुआ के पत्ते, हरी मिर्च, जीरा, अदरक-लहसुन पेस्ट, धनिया पाउडर, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक, बारीक कटी धनिया पत्ती और तलने के लिए तेल की जरूरत होती है।

कचौड़ी बनाने का तरीका

एक बर्तन में मैदा लें और उसमें स्वादानुसार नमक और दो बड़े चम्मच तेल डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लें।

आटे को ढककर 15 से 20 मिनट के लिए रख दें, जिससे कचौड़ी अच्छी तरह से फूले।

आटे से छोटी-छोटी लोइयां बना लें और हल्का सा बेल लें। इसके बीच में एक चम्मच आलू-बथुआ का मसाला रखें और किनारों को बंद करते हुए गोल आकार दें। हाथ से हल्का दबाकर कचौड़ी को चपटा कर लें।कड़ाही में तेल गर्म करें और मीडियम आंच पर कचौड़ियों को सुनहरा होने तक तल लें। सभी कचौड़ियों को इसी तरह तलकर निकाल लें।

तैयार आलू-बथुआ की कचौड़ी को गरमा-गरम आलू की सब्जी, हरी चटनी या इमली की चटनी के साथ परोसें।

# अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' 15 मई को देगी सिनेमाघरों में दस्तक

बॉलीवुड के चर्चित निर्देशक प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' के रिलीज डेट की घोषणा मेकर्स ने फिल्म का आकर्षक मोशन पोस्टर जारी करते हुए कर दिया है। अक्षय कुमार स्टारर 'भूत बंगला' 15 मई को सभी सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फ़िल्म 14 साल बाद हॉरर-कॉमेडी के बादशाह डायरेक्टर प्रियदर्शन और अभिनेता अक्षय कुमार की दमदार वापसी को दर्शाती है।

'भूत बंगला' को एक कंप्लीट एंटरटेनर बनाने वाली सबसे बड़ी वजह इसकी दमदार स्टारकास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, जिशु सेनगुप्ता, असरानी और वामिका गब्बी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फ़िल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग राजस्थान, जयपुर और हैदराबाद में भी की गई है, जो कहानी को एक शानदार विज़ुअल अंदाज़ देती है।

'भूत बंगला' को शोभा कपूर, एकता आर कपूर के प्रोडक्शन हाउस 'बालाजी टेलीफ़िल्म्स' और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन 'हाउस केप ऑफ़ गुड

फ़िल्म्स' द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फ़िल्म को फ़ारा शेख और वेदांत बाली द्वारा को-प्रोड्यूस किया गया है। इसकी कहानी आकाश ए. कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन द्वारा तैयार किया गया है। वहीं, रोहन शंकर ने इसके डायलॉग्स लिखे हैं।

# ऑस्कर जनरल एंट्री लिस्ट में पहुँचीं होम्बले फ़िल्म्स की दो फिल्में

इस साल ऑस्कर जनरल एंट्री लिस्ट में होम्बले फ़िल्म्स के बैनर तले निर्मित दो फिल्में 'महावतार नरसिम्हा' और 'कांतारा - चैप्टर 1' को ऑस्कर की जनरल एंट्री लिस्ट में भेजा गया है। 'महावतार नरसिम्हा' का डायरेक्शन अश्विन कुमार ने किया है और इसे होम्बले फ़िल्म्स ने प्रस्तुत किया है, जबकि 'कांतारा - चैप्टर 1'

का डायरेक्शन ऋषभ शेट्टी ने किया है और इसे विजय किरागंदूर ने प्रोड्यूस किया है। दोनों ही फ़िल्में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रहीं हैं और अपनी दमदार कहानी, संस्कृति से जुड़े अंदाज़, शानदार तकनीक और बेहतरीन विज़न के लिए खूब सराही गईं हैं। ऑस्कर की जनरल एंट्री लिस्ट में आने के बाद अब इन दोनों फ़िल्मों पर कई बड़े अवॉर्ड कैटेगरी में डाले जाने को लेकर ध्यान दिया जाएगा।

इनमें बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट प्रोड्यूसर, बेस्ट स्टोरी/राइटिंग, बेस्ट प्रोडक्शन डिज़ाइन और बेस्ट सिनेमैटोग्राफी जैसी कैटेगरी शामिल हैं।

ऐसे में, आगे इन्हें शॉर्टलिस्ट किया जाएगा या नहीं, इसका फैसला अकादमी द्वारा किया जाएगा। खास बात यह है कि इस साल ऑस्कर जनरल एंट्री लिस्ट में शामिल कुल पाँच भारतीय फ़िल्मों में से दो फ़िल्में होम्बले फ़िल्म्स की हैं। यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है। ऑस्कर जनरल एंट्री लिस्ट में भारत की मशहूर और विजनरी प्रोडक्शन हाउस होम्बले फ़िल्म्स की दो फिल्मों को शामिल किया जाना यह दिखाता है कि होम्बले फ़िल्म्स का असर लगातार बढ़ रहा है और भारतीय सिनेमा को ग्लोबल स्तर पर पहचान दिलाने में उसका योगदान लगातार मजबूत होता जा रहा है।

**प्रस्तुति-काली दास पाण्डेय**

# फास्ट फूड बना रहा शरीर को खोखला: हेल्थ एक्सपर्ट

**भागदौड़ भारी जिंदगी में हम सभी अपनी सेहत का ख्याल बिल्कुल भी नहीं रखते हैं। बिजी लाइफस्टाइल के कारण लोग अपने खानपान पर इतना ध्यान नहीं देते हैं। इन सब के कारण कहीं न कहीं हेल्दी खान-पान तो छूटता ही जा रहा है। धीरे-धीरे लोग हेल्दी डाइट पर जोर दे रहे हैं। वैसे सोशल मीडिया पर आपको हेल्दी डाइटिंग की कई रील्स देखने को मिल जाएगी। हालांकि, कुछ लोग जिनका जिनका गुजारा फास्ट फूड के बिना नहीं होता। लोग न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट को इग्नोर करके स्वादिष्ट फास्ट फूड का सेवन करना चाहते हैं, हालांकि क्या आप जानते हैं कि इसका सेहत पर क्या असर पड़ता है। चलिए आपको बताते हैं फास्ट फूड का सेवन करने से सेहत पर क्या असर पड़ता है।**

### फास्ट फूड खाने से शरीर को क्या नुकसान होते हैं?

वैसे तो फास्ट फूड का सेवन करना हम सभी को काफी अच्छा लगता है, लेकिन यह हमारी सेहत के लिए ठीक नहीं होता है। इसमें काफी मात्रा में तेल, नमक, चीनी और मसाले होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचता है।

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप रोजाना फास्ट फूड का सेवन करते हैं, तो आपका वजन तेजी से बढ़ने लगता है। मोटापा बढ़ने से थकान, सांस लेने में दिक्कत और शरीर में आलस जैसी समस्या होने लगती है।

फास्ट फूड का नियमित और अधिक सेवन पाचन तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ता है। इससे पेट सही तरह से काम नहीं कर पाता और गैस, एसिडिटी, पेट दर्द व कब्ज जैसी परेशानियां बार-बार होने लगती हैं। ज्यादा फास्ट फूड खाने से आंतों की कार्यक्षमता घट सकती है और धीरे-धीरे लिवर में चर्बी जमा होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

यदि आप अधिक फास्ट फूड खाती हैं तो इसकी वजह से हार्ट हेल्थ पर असर पड़ता है। ज्यादा तला-भुना और नमक वाला खाना खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है।

फास्ट फूड में आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा बेहद कम होती है, जैसे विटामिन, खनिज और फाइबर। इस वजह से इसका सेवन करने पर शरीर को पूरा और संतुलित पोषण नहीं मिल पाता। यदि लंबे समय तक ऐसा भोजन किया जाए तो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है, जिससे व्यक्ति जल्दी-जल्दी बीमार होने लगता है।

अत्यधिक फास्ट फूड का सेवन करने से कम उम्र में शुगर और बीपी जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

इसकी वजह से शरीर सुस्त रहता है और काम करने का मन नहीं करता है।

कई बार तो न्यूट्रिशन की कमी होने के कारण आपका शरीर अंदर से खोखला होने लगता है, जिससे कई बीमारियां अंदर पनप रही होती हैं। जो भी घर पर ही ताजा खाना खाएं।

# स्वच्छ भारत अभियान की उड़ रही धज्जियां, अफसरों की नाक के नीचे सड़न और गंदगी का साम्राज्य

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविन्द नगर के हृदय स्थल 'नंदलाल चौराहा' पर व्याप्त नारकीय स्थितियों को लेकर क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिकों और व्यापारियों का धैर्य अब जवाब दे गया है। सरकारी संपत्ति को नष्ट करने और चार साल से जनता को बुनियादी सुविधा (यूरिनल) से वंचित रखने के विरोध में स्थानीय निवासियों ने नगर निगम के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है।

इस संदर्भ मेंप्रकाश वीर आर्य ने कहा कि, नाला निर्माण का झांसा देकर सुव्यवस्थित यूरिनल्स को तोड़ना एक सोची-समझी साजिश थी। यह सीधे तौर पर सरकारी संपत्ति की चोरी और सार्वजनिक सुविधाओं का हनन है, जिस पर नगर निगम जोन-5 के अधिकारी कुंभकर्णी नींद सो रहे हैं। महिला सुरक्षा और गरिमा का मुद्दा उठाते हुए गुड्डी शर्मा ने तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि, ऊएक तरफ सरकार नारी शक्ति के सम्मान की बात करती है, वहीं शहर के इतने व्यस्त चौराहे पर महिलाओं के लिए एक भी यूरिनल न होना प्रशासनिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। गुड्डी ने बताया कि गंदगी और सड़न के कारण नंदलाल चौराहे का व्यापार चौपट हो रहा है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर आधुनिक पिंक यूरिनल और पुरुष यूरिनल का कार्य आवंटित नहीं हुआ, तो वे नगर निगम के खिलाफ धरने पर बैठने और माननीय उच्च न्यायालय की शरण लेने को बाध्य होंगे।

अपनी मांगों को लेकर कहा गया कि ?दोषी ठेकेदार और लापरवाह कनिष्ठ अभियंता पर तत्काल दंडात्मक कार्यवाही हो, चौराहे पर तत्काल प्रभाव से नए यूरिनल्स का निर्माण शुरू हो साथ ही ?स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इस व्यापारिक केंद्र का सुंदरीकरण किया जाए। नगर निगम की संवेदनहीनता।को लेकर नंदलाल चौराहे पर महिला यूरिनल न होने से नारी शक्ति का अपमान, क्षेत्रवासियों ने आंदोलन की चेतावनीभी दी।

# श्री अन्न का महत्व एवं उपयोगिता प्रशिक्षण का हुआ सफल आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में ऊश्रीअन्न (मिलेट्स) वैज्ञानिक खेती से मूल्य वर्धन तकऊविषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन निदेशक शोध डॉ आरके यादव के मार्गदर्शन में किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक शोध डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मोटे अनाज (श्री अन्न) गेहूं और चावल की तुलना में सस्ते होने के साथ-साथ उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन तथा आयरन आदि की उपस्थिति के चलते पोषण हेतु बेहतर आहार होते हैं।मोटे अनाजों में कैल्शियम और मैग्नीशियम की प्रचुरता होती है।

मुख्य अतिथि रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के निदेशक शोध डॉ एस के चतुर्वेदी द्वारा ग्रामीण स्तर पर कुपोषण को कम करने तथा पोषक तत्वों की पूर्ति करने के लिए मिलेट्स तथा स्थानीय उत्पादों के पौष्टिक गुणों के साथ-साथ उनकी प्रसंस्करण तकनीकियों को विस्तार से समझाया गया। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ परमेंद्र सिंह ने बताया कि नेशन जनरल असेंबली ने 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के रूप में मनाने के लिए भारत के प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी। डॉ सिंह ने बताया

कि मोटे अनाज के सेवन से कई प्रकार की स्वास्थ्य समास्याओं से निपटा जा सकता है जैसे मधुमेह और मोटापे की समस्या, क्योंकि यह ग्लूटेन युक्त होते हैं और डॉक्टर विजय रत्ना तोमर ने बताया कि आर्थिक समस्या की दृष्टि से मोटे अनाज बहुत ही उपयुक्त होते हैं।

चूंकि, मोटे अनाज के उत्पादन हेतु निवेश की कम आवश्यकता होती है। अतः ये किसानों के लिए आय के स्थायी स्त्रोत साबित हो सकते हैं। कृषक प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर नौशाद खान, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव, कृषक समिति के अध्यक्ष श्री बाबू सिंह सहित अन्य ने भी किसानों को संबोधित किया। संबोधन कार्यक्रम आयोजक सचिव डॉक्टर श्वेता यादव द्वारा किया गया।कार्यक्रम में आसपास जनपदों के कृषकों की सक्रिय भागीदारी रही। कृषकों को पौष्टिक एवं स्वादिष्ट प्रसंस्करित उत्पादों के निर्माण में साफ सुथरे उपयोगी उपकरण, श्रीअन्न की वैज्ञानिक, खेती मूल्य वर्धन ,ठंडे, सूखे एवं हवादार स्थान पर उत्पादों का संग्रहण जैसे आदि विशेष ध्यान रखने योग्य बातों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण दौरान डॉ महक सिंह,डॉक्टर एम जेड सिद्दीकी, डॉ लोकेंद्र सिंह, डॉ वी के कनौजिया, डॉ विनोद प्रकाश, डॉ भूपेंद्र कुमार सिंह,मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर अरविंद कुमार द्वारा किया गया।

# पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा कार्यालय में की गई जन-सुनवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई। जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें।शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए।जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

# घाटमपुर में 35 मेगावाट सोलर पार्क को रफ्तार डीएम ने किया प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। तहसील घाटमपुर क्षेत्र के काटर में प्रस्तावित 35 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क को लेकर प्रशासनिक तैयारियों में तेजी आ गई है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को प्रस्तावित स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर परियोजना से जुड़े कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। सोलर पार्क का निर्माण वेदु इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डीएम को बताया कि सोलर पार्क की स्थापना के लिए अति ऊर्जा स्रोत विभाग के नाम कुल 65.315 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है, जिसे सोलर पार्क विकास कंपनी को लीज पर प्रदान किया गया है। यह परियोजना 175 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जा रही है, जिसके लिए इन्वेस्ट यूपी के अंतर्गत एमओयू भी संपादित हो चुका है।

अधिकारियों ने अवगत कराया कि परियोजना के निर्माण चरण में बड़ी संख्या में श्रमिकों को रोजगार मिलेगा, जबकि संचालन के दौरान 1000 से अधिक प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सोलर पार्क का निर्माण कार्य वर्ष दिसंबर 2027 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है।

बताया गया कि सोलर पार्क के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और कंपनी का चयन कर लिया गया है। वर्तमान में आवश्यक विभागीय स्वीकृतियां और डिस्कॉम स्तर की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण कर निर्माण कार्य बिना विलंब प्रारंभ कराया जाए।

सोलर पार्क तक पहुंच के लिए सभी मौसमों में उपयोगी सड़क निर्माण को भी आवश्यक बताया गया। इस संबंध में ग्राम प्रधान और ग्रामीणों के साथ बैठक कर वैकल्पिक मार्ग

चिन्हित किया गया है। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित एजेंसियों को सड़क निर्माण का प्राक्कलन शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए।इसके साथ ही सोलर पार्क क्षेत्र की भूमि विकास, आंतरिक अधोसंरचना तथा विद्युत पारेषण तंत्र के विकास कार्यों को भी प्राथमिकता पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह परियोजना जनपद को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी और शासन की मंशा के अनुरूप इसे निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह, पीओ नेडा राकेश पांडेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# अधिवक्ताओं के सम्मान की लड़ाई अंतिम सांस तक जारी रहेगी: नरेश चंद्र त्रिपाठी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल चुनाव में सदस्य पद के प्रत्याशी एवं कानपुर बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री व अध्यक्ष नरेश चंद्र त्रिपाठी एडवोकेट ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर अपने खिलाफ रची जा रही कथित साजिशों का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के अपार स्नेह और समर्थन से उनकी जीत सुनिश्चित होती देख कुछ प्रतिद्वंदी प्रत्याशी घबराए हुए हैं और उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने का असफल प्रयास कर रहे हैं।नरेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि वे वर्ष 2009-10 में कानपुर बार एसोसिएशन के महामंत्री रहे और अधिवक्ताओं के संघर्ष व विश्वास के बल पर वर्ष 2022-23 में भारी मतों से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने दावा किया कि उनके दोनों कार्यकाल अधिवक्ता हितों के लिए ऐतिहासिक रहे हैं।

वर्तमान में वे उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य पद के उम्मीदवार हैं और प्रदेशभर के अधिवक्ताओं से उन्हें व्यापक समर्थन मिल रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि इसी लोकप्रियता से घबराकर एक बाहरी व्यक्ति फखरूद्दीन अली अहमद के माध्यम से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वर्ष 2025 की एक रिट याचिका दाखिल कराई गई, जिसमें उनके खिलाफ निराधार आरोप लगाते हुए नामांकन निरस्त कराने का प्रयास किया गया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने वर्ष 2015 से संबंधित पुराने मामले का परीक्षण कर याचिका को आधारहीन मानते हुए खारिज कर दिया। इसी प्रकार, बार काउंसिल चुनाव अधिकारी ने भी दिए गए प्रार्थनापत्र को निरस्त कर दिया।

प्रेसवार्ता में उन्होंने अपने संघर्षपूर्ण कार्यकालों को याद करते हुए कहा कि वर्ष 2009-10 में पुलिस और अधिवक्ताओं के बीच हुए टकराव के दौरान कई वकील गंभीर रूप से घायल हुए, चेंबरों में तोड़फोड़ और आगजनी हुई तथा वे स्वयं भी घायल होकर उर्सला अस्पताल में भर्ती हुए थे। उनके नेतृत्व में तीन महीने तक कानपुर कचहरी में हड़ताल चली, जिसके चलते न्यायिक कार्य इटावा जनपद स्थानांतरित करना पड़ा। प्रेसवार्ता के अंत में उन्होंने कहा मैं कभी हारा नहीं हूं और न ही हारूंगा। अधिवक्ताओं के अधिकार दिलाकर ही चैन से बैठूंगा।इस अवसर पर नरेश मिश्रा एडवोकेट, सियाराम पाल एडवोकेट और शशिकांत तिवारी एडवोकेट भी उपस्थित रहे।

# सराहनीय उत्कृष्ट कार्यों के लिए संजीव दीक्षित यू पी तिरंगा गौरव सम्मान 2025 से किये गये सम्मानित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतवर्ष में तिरंगा अगरबत्ती से एकता की खुशबू बिखरने वाले समाजसेवी पंडित नरेंद्र शर्मा आम जनमानस की मदद के लिए सर्वोपरि आगे रहते हैं तो वहीं उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने वालों को समय-समय पर सम्मानित करते रहते हैं।प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वालों की हौसला अफजाई के लिए के यू पी गौरव सम्मान 2025 की कड़ी में कानपुर अयोध्या बनारस गोरखपुर कन्नौज बाराबंकी आदि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अच्छी सराहनीय कार्य शैली एनिमल लवर के नाम से चर्चित, संजीव दीक्षित जी को सर्वसम्मति से तय हुआ, हर सभी की मदद करने वाले संजीव दीक्षित की प्रशंसा पूरे प्रदेश में होती है वही एनीमल लवर के रूप मे करने वाला कार्य भी सभी के द्वारा सराहा जा रहा है, इसी कड़ी में सराहनीय जन सेवा कार्यों के लिए, जनता व प्रशासन के मध्य कड़ी का कार्य करने वाले लोगों की जन समस्याओं को निदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए संजीव दीक्षित जी को समाजसेवी पं नरेंद्र शर्माजी द्वारा यू पी तिरंगा गौरव 2025 सम्मान से सम्मानित किया गया।इस मोके पर संजीव दीक्षित को तिरंगा परिवार द्वारा सम्मानित किए जाने पर कानपुर वरिष्ठ मीडिया एजेंसी डाप्स के धर्मेश चतुर्वेदी,दक्षिण उद्योग व्यापार मंडल महामंत्री अभिषेक पांडे मोनू, कानपुर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष सुनील बजाज, महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी, विराट गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, अखिल भारतीय कानपुर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अतुल द्विवेदी, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री रोशन गुप्ता व नगर महामंत्री सचिन त्रिवेदी, अनुराग साहू, आदि नागरिकों ने शुभकामनाएं दी।

# अखिल भारतीय किन्नर महासभा के द्वारा निकाली गई रथ यात्रा

**»11 दिवसीय सम्मेलन में हजारों किन्नरों ने नाचते झूमते निकाली यात्रा**

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय किन्नर महासभा के द्वारा आयोजित किन्नर महा सम्मेलन में अर्रा रोड स्थित शकुंतला लॉन से आयोजक प्रदेश अध्यक्ष काजल किरण के द्वारा चाक पूजन किया गया। इस मौके पर मोहम्मद कमरुद्दीन ने बताया कि विगत वर्षों से निरंतर अखिल भारतीय किन्नर महासभा के द्वारा सम्मेलन आयोजित किया जाता है इस वर्ष भी सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से किन्नर समाज के लोग एकत्रित होकर सम्मेलन में चार चांद लगा रहे हैं।

किन्नर महासभा के द्वारा निकाली गई बारात में सभी ने नाच गाकर अपनी खुशियों का इजहार करते हुए जमकर खुशियां बाटी।पंचायत भवन में भव्य रूप से चाक पूजन काजल किरण के द्वारा किया गया।

कमरुद्दीन के मुताबिक देश भर से तकरीबन 3 हजार किन्नर समाज एकत्रित होकर सम्मेलन को सफल बना रहे हैं। काजल नायक एवं नेहा नायक ने सर पर कलश रख शिव मंदिर में आशीर्वाद लिया। प्रधान काजल किरण ने शिव मंदिर एवं माता रेवा देवी मंदिर में घंटा एवं चांदी का मुकुट अर्पित किया। इस मौके मुख्य रूप से दयालु सिंह राजू जीतू अंशु मनोज प्रेम बाबू ऋषभ गुप्तारेखा गुरु ऊषा गुरु सुनीता आगरा से संध्या नीलम बिंदु गोरखपुर से जोधाबाई शांति गुरु अनीता गुरु पंजाब से रीना गुरु जयपुर से चकोरी गुरु गुड्डी गुरु गुड्डो गुरु सहित सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

# बाल श्रमिक विद्या योजना से बदली राह, काम छोड़ स्कूल पहुंचे बच्चे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रदेश सरकार की बाल श्रमिक विद्या योजना कानपुर नगर में बाल श्रम उन्मूलन और शिक्षा के क्षेत्र में ठोस परिणाम दे रही है। योजना के माध्यम से ऐसे बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा जा रहा है, जो कभी बाल श्रम करने को मजबूर थे और जिनके माता–पिता दिवंगत हैं, दिव्यांग हैं अथवा परिवार में आजीविका का कोई स्थायी सहारा नहीं था। अब यही बच्चे स्कूल की दहलीज पार कर कक्षा आठ, नौ और दस तक की पढ़ाई कर रहे हैं।

योजना के तहत बच्चों को पढ़ाई जारी रखने के लिए नियमित आर्थिक सहायता दी जा रही है। बालकों को एक हजार रुपये प्रतिमाह और बालिकाओं को बारह सौ रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि सीधे खाते में दी जाती है। इसके साथ ही कक्षा आठ, कक्षा नौ अथवा हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण करने पर छह हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है, जिससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति निरंतरता बनी रहे।

कानपुर नगर में इस योजना के अंतर्गत कुल 100 बच्चों का चयन किया गया है। अप्रैल से दिसंबर माह की अवधि में 72 बच्चों को कुल 5 लाख 49 हजार 400 रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है, जबकि शेष लाभार्थियों का भुगतान प्रक्रियाधीन है। चयनित बच्चों में 33 बालिकाएं और 39 बालक शामिल हैं। इनमें 9 बच्चे कक्षा आठ, 14 कक्षा नौ और 13 बच्चे कक्षा दस में अध्ययनरत हैं, जबकि अन्य बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए तैयार किया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों का चयन श्रम विभाग द्वारा मौके पर जाकर सत्यापन और निरीक्षण के बाद किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक ही पहुंचे। योजना से लाभान्वित कक्षा नौ में पढ़ रहे राहुल ने बताया कि पहले उसे मजदूरी करनी पड़ती थी, लेकिन अब वह नियमित रूप से स्कूल जा पा रहा है। वहीं कक्षा आठ की छात्रा पूजा का कहना है कि आर्थिक सहायता से उसकी पढ़ाई आसान हो गई है और अब वह आगे भी पढ़ना चाहती है।

सहायक श्रमायुक्त रामलखन पटेल ने बताया कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि कोई भी बच्चा बाल श्रम में न लगे और हर बच्चा शिक्षा से जुड़े। इसी उद्देश्य से निरीक्षण के बाद पात्र बच्चों का चयन किया जाता है। उन्होंने कहा कि दिसंबर तक 72 बच्चों को भुगतान किया जा चुका है और शेष लाभार्थियों को भी शीघ्र योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

# तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक को रौंदा, मां-बेटे की मौके पर मौत, चाची की हालत नाजुक, हैलट रेफर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कैथा चौराहे पर डीसीएम की टक्कर से मां–बेटे की मौत हो गई और चाची गंभीर रूप से घायल हैं। मृतक अर्पित अपनी दो बहनों का इकलौता भाई था। हादसे के बाद परिवार में मातम छाया हुआ है।कानपुर के घाटमपुर में सजेती थाना क्षेत्र के कैथा चौराहे के समीप रविवार को तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। भीषण हादसे में मां–बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे सीएचसी से हैलट रेफर किया गया है।साढ़ थाना क्षेत्र के सूलपुर निवासी अर्पित पाल (17) पुत्र मथुरा पाल अपनी मां अनीता पाल (50) और चाची आकांक्षा (35) पत्नी गोकुल पाल के साथ बाइक से अपनी बुआ के नवजात बेटे की मौत होने पर झंडापुर कोरिया जा रहे थे। जैसे ही बाइक कैथा चौराहे के पास पहुंची तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अर्पित और उसकी मां की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं, आकांक्षा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को एंबुलेंस द्वारा सीएचसी घाटमपुर पहुंचाया। यहां हालत गंभीर देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया। वहीं, दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक अर्पित अपनी दो बहनों, श्रद्धा (उर्फ रोली पाल) और सपना पाल का अकेला भाई था। इकलौते बेटे और मां की एक साथ मौत से पिता सत्येंद्र पाल और बहनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

# नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म करने के आरोपी शिक्षक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर। किदवई नगर इलाके में 10वीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा को डरा–धमकाकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में एक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान देवेंद्र पटेल (27) के रूप में हुई है। उस पर आरोप है कि उसने लगभग एक महीने तक अपने कोचिंग सेंटर में नाबालिग को डरा–धमकाकर बार–बार उसका यौन उत्पीड़न किया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) (दक्षिण) योगेश कुमार ने पत्रकारों को बताया कि परिवार ने किदवई नगर पुलिस थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई। बाबूपुरवा थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी बेटी किदवई नगर के एक स्कूल में कक्षा 10 में पढ़ती है, जहां आरोपी शिक्षक भी पढ़ाता है।कुमार ने बताया कि पटेल 'ब्राइट कोचिंग इंस्टीट्यूट' नाम से एक निजी कोचिंग सेंटर भी चलाता है, जहां पीड़िता पढ़ती थी। पीड़िता का आरोप है कि दिसंबर 2025 में आरोपी उसे बहला–फुसलाकर कोचिंग सेंटर ले गया और उससे बलात्कार किया।आरोप है कि जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके माता–पिता और छोटे भाई को जान से मारने की धमकी दी जिससे वह बेहद भयभीत हो गई। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने धमकी देकर उसका बार–बार यौन उत्पीड़न किया।किदवई नगर के थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत के आधार पर आरोपी देवेंद्र पटेल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।